आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 334 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 25 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

संभल में इंटरनेट-स्कूल बंद, 2500 बलवाईयों पर FIR

धारा-163 लागू, पुलिस का गलियों में फ्लैग मार्च

सांसद जियाउर्ररहमान वर्क व विधायक के बेटे सोहेल पर एफआईआर

4 अधिकारी व 20 पुलिसकर्मी घायल

तनावपूर्ण शांति 25 गिरफ्तार

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल के बाद संभल में फिलहाल, इलाके में जबरदस्त तनाव है. इंटरनेट के साथ स्कूल-कॉलेज भी बंद हैं। प्रयास किया इसके बाद हिंसा भड़की। पुलिस ने संभल में शांति व्यवस्था कायम कर दी है साप्ताहिक बंदी होने के की टीमें लगानी पड़ीं। पालिका के कर्मचारियों ने कई ट्रैक्टरों में इन ईंट-पत्थरों व चप्पलों को भरकर रास्ता साफ ईंट-पत्थर थे। इन पत्थरबाजों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। करीब डेढ़ घंटे तक चले पथराव में गलियां ईंट-पत्थरों से

धारा-163 लागू कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि संभल में अब शांति है, लेकिन भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। संभल हिंसा में 800 बलवाइयों पर एफआईआर दर्ज की गई है साथ ही संभल के सांसद जिया उर्रहमान वर्क व विधायक इकबाल के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

आला अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। खुद डीजीपी हालातों पर नजर बनाए हुए हैं। रविवार दोपहर बाद जब माहौल शांत हुआ तो पुलिस ने फ्लैग मार्च शुरू किया। शहर में पीएसी के साथ आरआरएफ और आरएएफ की कंपनियां भी लगाई गईं। हिंसा, तोड़फोड़-आगजनी, पथराव और गोलीबारी में चार लोगों की जान जा चुकी थी.

अफवाह के बाद जुटे लोग

मस्जिद के सर्वे के दौरान अधिकांश लोग घरों में थे। इसी दौरान किसी ने अफवाह फैला दी कि सर्वे करने वाली टीम मस्जिद के अंदर खोदाई कर रही है। इसके बाद भीड़ जुटने लगी और देखते ही देखते लोग मस्जिद के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। अफवाह की चिंगारी ऐसी भड़की कि हजारों की संख्या में लोग जामा मस्जिद के बाहर जुट गए। साढ़े आठ बजे तक भीड़ बेकाबू हो गई और मस्जिद में घुसने का प्रयास करने लगी। पुलिस टीम ने भीड़ को रोका तो लोगों ने मस्जिद को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। सड़क के साथ ही घरों की छतों से पुलिस पर पत्थर बरसने लगे। पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल को शांत करने के बाद अब पुलिस एक्शन में है। पुलिस ने इस मामले में 2500 बलवाइयों पर एफआईआर दर्ज की है। दो

थानों में 7 एफआईआर दर्ज हुई है। संभल के एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल में 25 बलवाइयों को गिरफ्तार किया गया है। आज संभल में इंटरनेट और स्कूल बंद रखे गए हैं। इंटरनेट की सेवा कल भी बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि बलवाइयों के पास से धारदार हथियार भी बरामद हुए हैं। चार ट्रॉली ईंटें पत्थर बरामद किए गए हैं।

एसपी ने बताया कि संभल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर 1 दिसंबर तक के लिए रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि बलवाइयों ने मस्जिद में सर्व को रोकने का बावजूद कुछ दुकान धीरे-धीरे खोली गई है। उन्होंने बताया कि भीड़ की तरफ से पुलिस पर फायरिंग की गई जिसमें सीईओ और पुलिसकर्मियों को गोली लगी है साथ ही पीआरओ के पैर में भी गोली लगी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बलवाइयों के इरादों को पूरी तरह से विफल कर दिया। पत्थर बाजों को चिन्हित करके कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने बताया कि ड्रोन फुटेज से बलवाइयों के फोटो निकाले गए हैं जिन्हें सर्कुलेट किया जाएगा। उनके बारे में जानकारी देने वालों को इनाम भी दिया जाएगा। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि पत्थर बाजी करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आपको बता दें कि रवि दोपहर संभल शहर की शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान बवाल हुआ था। उपद्रवियों ने जामा मस्जिद के पीछे पुलिस पर जमकर पथराव किया, सड़क किनारे खड़े वाहनों में आग लगा दी, जिससे कार व बाइकें जलकर खाक हो गईं।

आलम ये था कि सड़कों पर ईंट-पत्थरों व चप्पलों के ढेर लग गए। बाद में इनको हटाने के लिए नगर पालिका करवाया। साथ जेसीबी की मदद से जले हुए वाहनों को सड़क से हटवाया।

पुलिस के मुताबिक, उपद्रवियों की भीड़ में मौजूद लोगों ने नाबालिगों को आगे कर रखा था. सभी के हाथ में पट गईं जिसके चलते लोगों का चलना मुश्किल हो गया था. पुलिस ने किसी तरह आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। वहीं, शाम होने तक सख्ती इतनी बढ़ा दी गई कि शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल हो गया।

चार की हुई है मौत

डीएम, एसपी के अलावा मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह और डीआईजी मुनिराज जी ने फोर्स के साथ मौके का मुआयना किया। इस दौरान मंडलायुक्त ने कहा- उपद्रवियों ने गोलियां चलाईं। पुलिस अधीक्षक के पीआरओ के पैर में गोली लगी, सर्किल अधिकारी को छर्रे लगे और हिंसा में 15 से 20 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। एक कांस्टेबल के सिर में भी गंभीर चोट आई, जबकि डिप्टी कलेक्टर के पैर में फ्रैक्चर हो गया। वहीं, नईम, बिलाल, नोमान और एक अन्य शख्स की मौत हुई है। दो की मौत देसी पिस्तौल से गोली लगने से हुई।

सपा सांसद व विधायक के बेटे पर एफआईआर

उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़काने वालों पर पुलिस ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है. उपद्रवियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने रात भर छापेमारी की तो वहीं अब समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क और स्थानीय विधायक के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। सपा सांसद पर आरोप है कि उन्होंने सुनियोजित तरीके से इस हिंसा को भड़काया। इसके लिए उन्होंने मस्जिद के बाहर भीड़ को इकट्ठा किया और फिर उसे उकसाया, जिसके बाद इतने बड़े स्तर पर हिंसा हुई।

मुरादाबाद संभागीय आयुक्त ने कहा कि सर्वेक्षण शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, लेकिन कुछ लोग मस्जिद के पास एकत्र हो गए और नारे लगाने लगे। जब पुलिस ने इलाके को खाली कराने का प्रयास किया, तो भीड़ में शामिल उपद्रवियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हिंसा में शामिल लोगों को उकसाया गया था, जिनका उद्देश्य शांति को बाधित करना था। उपद्रवी धीरे-धीरे हिंसक होते गए. उन्होंने पुलिस को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

मुट्ठी भर लोग संसद को कंट्रोल करने की कोशिश में : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर करारा हमला बोला है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मुठ्ठी भर लोग संसद को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह देश हित में नहीं है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही संसद में संभल हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा हुआ जिसके बाद सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद में स्वस्थ चर्चा करने की अपील की। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए संसद में चर्चा न होने देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है। देश पूरी उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। अब सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान के 75 साल की यात्रा, 75वें साल में उसका प्रवेश, ये अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है।

प्रधानमंत्री ने कहा कल संविधान सदन में सब मिलकर के इस संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की मिलकर शुरुआत करेंगे। संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण करते समय एक-एक बिंदू पर बहुत विस्तार से बहस की है, तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। इसकी महत्वपूर्ण ईकाई है हमारी संसद। हमारे सांसद भी और हमारी संसद भी। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए, जिनको जनता ने अस्वीकार किया है, वे संसद को भी, मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंग बाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो संसद की गतिविधि रोकने से

ग्रेटर नोएडा में किसानों की हुंकार, बड़ी महापंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर के बाहर किसानों की महापंचायत में आस-पास के किसान बड़ी संख्या में जुटने लगे हैं। किसानों की इस महापंचायत में किसान नेता राकेट टिकैत भी आएंगे। महापंचायत को देखते हुए यहां पर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीणा सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिशा निर्देशित करने के लिए पहुंचे हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों ने आज आर-पार का ऐलान किया है। किसान नेता राकेश टिकैत महापंचायत की अध्यक्षता करेंगे। गौतमबुध नगर, बुलंदशहर,

अलीगढ़, आगरा सहित 20 जिलों के किसान महापंचायत में शामिल होंगे। लंबे समय से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसान धरने पर बैठे हैं। 28 से एक दिसंबर तक यमुना प्राधिकरण पर और दो दिसंबर से किसान दिल्ली कोच करेंगे।

किसान सुबह ही इकट्ठा होकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ रवाना होने लगे हैं। नोएडा एक्सप्रेसवे से होते हुए किसान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ जा रहे हैं। आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का बड़ा (शेष पृष्ठ-3 पर)

संभल में सरकार ने कराई हिंसा : अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने

पहुंचे समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर यह बड़ा आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि जब कोर्ट के निर्देश पर पहली बार सर्वे हुआ तो स्थानीय लोगों ने सर्वे की टीम को पूरा सहयोग किया, लेकिन अचानक पुलिस और प्रशासन को किसने यह आदेश दिए कि दूसरा सर्वे कराया जाए इसके बाद लोग भड़क उठे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने मुद्दों से ध्यान भटकने के लिए हिंसा कराई है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में मुसलमान को वोट डालने से रोका गया यह सरकार की साजिश है। पहले अन्याय करते हैं अन्याय का विरोध करने पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल में डाल दिया जाता है। अखिलेश ने कहा कि सब ने देखा कि चुनाव में किस तरह पुलिस ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

चंद्रशेखर को संभल जाने से रोका

हापुड़ (एजेंसी)। नगीना से आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर

आजाद को पुलिस ने आज संभाल जाने से रोक दिया। पुलिस ने उनके काफिले को हापुड़ में रोक लिया इसके बाद चंद्रशेखर आजाद ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में गोली से न्याय हो रहा है और प्रशासन और पुलिस गुंडागर्दी पर उतारू है।

संभल हिंसा पर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने कहा, 'मैं हिंसा के खिलाफ हूं...यूपी में न्याय गोली से हो रहा है और यह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।' यह एक साजिश है और हमारे गरीब लोग इसका शिकार हो रहे हैं।

भारत ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का घमंड, पर्थ टेस्ट जीता

पर्थ (आस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले आस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर टेस्ट सीरीज में 1.0 की बढ़त बना ली है।

मुकाबले में टीम इंडिया ने शानदार जीत दर्ज करते हुए आस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ दिया है। भारत ने

25 नवंबर मैच का चौथा दिन है।ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही थी। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों का टारगेट दिया था।

भारत ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी। इससे पूर्व ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी पहली पारी में 104 तो भारतीय टीम 150 रनों पर सिमट गई थी।

भारतीय टीम ने पिछले 2 दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में हराया है। इस बार हैट्रिक का मौका है। इस 'महासीरीज' में कुल 5 मैच खेले जाने हैं. सीरीज का अगला टेस्ट अब 6 दिसंबर से एडिलेड में होगा।

खाना खाने के बाद दादा-पोते की मौत

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले खाना खाने के बाद परिवार की तबीयत बिगड़ गई। जिससे दादा-पोते की मौत हो गई, जबकि कई का इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर के नरसेना थाना इलाके के गांव महमूदपुर बरवाला में रहने वाले कलुआ (55) रविवार शाम कस्बा दौलतपुर कलां से खाने के लिए भुने हुए चने लेकर घर पहुंचे थे।

जिसको कलुआ, उनकी पत्नी जोगेंद्री देवी (40), आठ वर्षीय पुत्री शिवानी, आरती, माही और प्रिया और उनके भाई के पोते छह वर्षीय लव्य पुत्र नरेश ने खाया था। उसके बाद करीब आठ बजे शिमला मिर्च की सब्जी बना कर खाना खाया था।

देर रात करीब दस बजे लव्य, कलुआ, शिवानी, जुगेंद्री देवी को उल्टी होने लगी। उनकी हालत बिगड़ने पर उनके परिजन ने उपचार के लिए कस्बा दौलतपुर कला में निजी अस्पताल पर उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान लव्य और कलुआ की मौत हो गई।

चिकित्सक ने जुगेंद्री देवी और शिवानी को स्याना के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने स्याना के आर्यन अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। गांव में दो मौत होने की सूचना पर मातम छाया हुआ है। परिजनों ने मृतकों का पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया है।

पहाड़ पर कारोबार

घोषणाओं के लबादे उतर गए, जहां तेरे जश्न की तैयारी थी'। माननीय अदालत के एक फैसले ने हिमाचल के पर्यटन कारोबार में सरकारी होटलों की नालायकी और व्यवस्था की पोल खोल दी है। कतार में अठारह होटलों की हस्ती पर उठे सवाल एक बड़े शून्य की तरफ इशारा कर रहे हैं। यह दीगर है कि बाद में सरकार की विनती पर अदालत ने नौ होटलों को 31 मार्च तक खुला रखने की इजाजत दे दी है। इस तरह आने और जाने वाले साल के जश्न में होटल चायल, चंद्रभागा, मेघदूत, लॉग हट्स, कुंजुम, भागसू, धौलाधार, कैसल नग्गर और खज्जियार आदि अपने भाग्य को संवार सकते हैं। विडंबना यह कि जो प्रदेश अपनी आर्थिक तस्वीर को पर्यटन के सहारे सशक्त करना चाहता है, उसका मुलम्मा अपनी मौजूदा अधोसंरचना में उतर रहा है। चोट कहीं गहरी खाई है, मगर उफ यह नहीं कि हम सीखे। जहां प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर ही निगम के होटल गोता खा रहे हों, वहां खर्च की तौहीन में नए परिसर किस तर्क पर खड़े हो रहे हैं। अदालत के समक्ष मुजरिम सिर्फ 18 पर्यटक इकाइयां नहीं, बल्कि सरकारी कामकाज का ढर्रा है, जो वर्षों से अपने ही चिरागों से ईंधन चुरा रहा है। उदाहरण के लिए धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम ने ही अकेले आधा दर्जन पंच सितारा होटलों का निर्माण करवा दिया है, जबकि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के स्तर पर निजी क्षेत्र दिन-रात अपने हाव-भाव बदल रहा है। ऐसे में अगर धर्मशाला की कुल पांच पर्यटन इकाइयों में चार निकम्मी निकल आईं, तो इस कसूर की लागत में सारी संभावनाएं ही तहस-नहस हो गईं। धौलाधार होटल के परिसर में बैंक्वेट हॉल का निर्माण पूरे नजारों और मेहमानों के आकर्षण को ही खा गया। बैंक्वेट हाल चला नहीं, बल्कि इसके कारण होटल को भी बिकने की नौबत आ गई। खज्जियार, डलहौजी, शिमला, धर्मशाला, मकलोडगंज या मनाली के सरकारी होटल अपंग हो जाएं, तो क्या कल नादौन या बिलासपुर में निर्माणाधीन इकाइयां अपने उद्देश्य को सफल बना पाएंगी। दरअसल सरकारी होटल अपनी औकात से अधिक और फर्ज से कम होते जा रहे हैं। ये मेहमान की मजबूरी में अपनी उदासीनता छिपाना चाहते हैं। जाहिर तौर पर अदालत के एक फैसले ने सरकारी होटलों के नैन नक्श की सही-सही कानूनी तस्वीर दिखा दी है। इनकी लाचारी, सियासत के संदर्भों की मोटी गर्दन है जो अपनी बोरी में अनावश्यक फायदे भरती रही है। आश्चर्य यह कि पर्यटन राज्य की कसौटी में कदमों की तौहीन का एक पक्ष सरकारी होटल बन रहे हैं। भले ही अठारह होटलों पर गिरी गाज से नौ कुछ देर के लिए बच गए, लेकिन तफतीश के पैमानों पर इनकी हकीकत में कई सुराख हैं। ये सुराख बताते हैं कि प्रदेश की वित्तीय जवाबदेही को किस कद्र नजरअंदाज किया गया। वित्तीय प्रबंधन का कचूमर नहीं निकला, बल्कि सियासी चरागाहों ने सार्वजनिक क्षेत्रों को इस हद तक लूटा है कि अब सरकार की करामात औंधे मुंह गिर रही है, फिर भी अपेक्षाओं के समुद्र में नई किश्तियां डाली जा रही हैं। हम पहले भी लिख चुके हैं कि प्रदेश को पर्यटन एवं परिवहन क्षेत्र को चमकाना है, तो निजी क्षेत्र के संचालकों के साथ मिलकर योजनाओं-परियोजनाओं पर विचार करे। पर्यटन की मद में आया धन अगर सैलानियों को बेहतर सुविधाएं दे, तो इसके परिणामस्वरूप उद्योग का भला होगा। बेहतर होगा कि सरकार अपने संसाधनों को निजी क्षेत्र की बराबरी पर सार्वजनिक होटलों व बसों पर जाया न करे। सार्वजनिक क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कुछ प्रोफेशनल की सेवाएं, निजी क्षेत्र का सहयोग और वित्तीय पोषण में पारदर्शिता लानी ही होगी, वरना इसी तरह सरकारी छतें नीलाम हो जाएंगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि आप माया हैं और शिवजी भगवान हैं। आप दोनों समस्त जगत के माता-पिता हैं। (यह कहकर) मुनि पार्वतीजी के चरणों में सिर नवाकर चल दिए। उनके शरीर बार-बार पुलकित हो रहे थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जाइ मुनिन्ह हिमवंतु पठाए। करि बिनती गिरजहिं गृह ल्याए॥
बहुरि सप्तरिषि सिव पहिं जाई। कथा उमा कै सकल सुनाई॥
मुनियों ने जाकर हिमवान को पार्वतीजी के पास भेजा और वे विनती करके उनको घर ले आए, फिर सप्तर्षियों ने शिवजी के पास जाकर उनको पार्वतीजी की सारी कथा सुनाई॥
भए मगन सिव सुनत सनेहा। हरषि सप्तरिषि गवने गेहा॥
मनु थिर करि तब संभु सुजाना। लगे करन रघुनायक ध्याना॥
पार्वतीजी का प्रेम सुनते ही शिवजी आनन्दमग्न हो गए। सप्तर्षि प्रसन्न होकर अपने घर (ब्रह्मलोक) को चले गए। तब सुजान शिवजी मन को स्थिर करके श्री रघुनाथजी का ध्यान करने लगे॥
तारकु असुर भयउ तेहि काला। भुज प्रताप बल तेज बिसाला॥
तेहिं सब लोक लोकपति जीते। भए देव सुख संपति रीते॥
उसी समय तारक नाम का असुर हुआ, जिसकी भुजाओं का बल, प्रताप और तेज बहुत बड़ा था। उसने सब लोक और लोकपालों को जीत लिया, सब देवता सुख और सम्पत्ति से रहित हो गए॥ (क्रमशः..)

महाराष्ट्र-झारखंड में सियासी सूझबूझ मस्त, अहंकार पस्त

खास बात यह है कि महाराष्ट्र के शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा एनसीपी नेता व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी अपने-अपने दल को तोडने के बावजूद अपनी-अपनी पार्टी की विरासत पर पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है।

भाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ-साथ लोकसभा की दो सीटों और विभिन्न दर्जनाधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम चौंकाने वाले हैं। ये चुनाव परिणाम इस बात का स्पष्ट इशारा कर रहे हैं कि मतदाताओं ने जहां सियासी सूझबूझ को ग्रेस देते हुए मस्त कर दिया है, वहीं राजनैतिक अहंकार को पूरी तरह से पस्त करके जमीन पर ला दिया है। मतलब यह कि पारस्परिक सिरफुटौव्वल को सिरे से खारिज कर दिया है।

दो टूक शब्दों में कहें तो मतदाताओं ने जहां महाराष्ट्र के भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सहयोगियों सहित और झारखंड के जेएमएम नेता व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साथियों सहित अपनी-अपनी सियासत को नए सिरे से आगे बढ़ाने का मौका दिया है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी शरद पवार के नेता शरद पवार/ सुप्रिया सुले, शिवसेना यूटीबी के नेता उद्धव भाऊ ठाकरे, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव आदि को जोर का झटका धीरे से दिया है, क्योंकि इनके बीच समुचित सामंजस्य के अभाव को मतदाताओं ने समय रहते ही भांप लिया और इनकी उम्मीदों के विपरीत परिणाम दिया।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की लाज जनता ने बचा ली है। वहीं, पंजाब में आप-कांग्रेस की टक्कर एकबार फिर सामने आई है, जो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी दिखाई देगी। वहीं, कांग्रेस नेत्री और वायनाड, केरल के लोकसभा उपचुनाव की प्रत्याशी प्रियंका गांधी को जीत देकर उनका राजनीतिक मार्ग प्रशस्त कर दिया है। जबकि महाराष्ट्र के नांदेड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की शिकस्त और बीजेपी को बढ़त मिली है।

खास बात यह है कि महाराष्ट्र के शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा एनसीपी नेता व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी अपने-अपने दल को तोड़ने के बावजूद अपनी-अपनी पार्टी की विरासत पर पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है। उनके इस मिशन को पूरा करने में भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के चमत्कारिक नेतृत्व के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। कुल मिलाकर एक ओर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति (गठबंधन) को प्रचंड जीत मिली है, वहीं दूसरी ओर झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने में सफलता हासिल कर ली है। अब इनका मुख्यमंत्री कौन होगा और उनका मंत्रिमंडल कैसा होगा, इसको लेकर माथापच्ची शुरू हो चुकी है।

वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, एनसीपी शरद पवार और शिवसेना यूटीबी के महाविकास अगाड़ी के अलावा यूपी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और बिहार विधानसभा उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के निराशाजनक प्रदर्शन से इनकी आंतरिक रस्साकशी का भी भंडाफोड़ हो चुका है। इससे इनके लोकसभा चुनावों के संयुक्त प्रदर्शन पर भी पानी फिर गया है। इससे सेक्यूलर मतदाताओं में भी गहरी निराशा छा गई है। हालांकि, झारखंड में कांग्रेस और राजद को मिली जीत से पार्टी के नेतृत्व को थोड़ी राहत मिली है।

वहीं, एनडीए की जोरदार सफलता से विकास, हिंदुत्व व महाराष्ट्र की भावना एक बार फिर उफान पर है, क्योंकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे और पीएम नरेंद्र मोदी के 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' के नारों का असर महाराष्ट्र से लेकर यूपी-बिहार तक दिखाई पड़ा है। राजस्थान, मध्यप्रदेश से लेकर असम तक इसका असर पड़ा है। लेकिन झारखंड में यह नारा कैसे मिस्फायर कर गया, यह शोध का विषय है। वहीं, बंगलादेशियों/रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा भी यहां फेल हो गया, क्योंकि इनलोगों ने गोलबंद होकर इंडिया गठबंधन को पोल कर दिया। वहीं, लाडली बहना योजना की सफलता ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार को फिर से वहां लौटने का मौका दिया है। वहीं, केरल और कर्नाटक में कांग्रेस की सियासी इज्जत बच गई है।

बता दें कि लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों सहित लोकसभा की 2 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे और इनके रुझानों से उपर्युक्त आशय के संकेत मिले हैं। इन 48 सीटों में से यूपी की 9 सीटों पर देशभर की निगाहें लगी हुई हैं, जहां बीजेपी नेता व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 सीट जीतकर एकबार फिर अपना जलवा दिखा दिया है, जबकि सपा को मात्र 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जिससे उसके पीडीए का दम्भ चकनाचूर हो गया। उधर, बिहार में राजद विस उपचुनाव वाली चारों सीटों पर पिछ?ती चली गई, जिससे तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर अब सवाल उठने लगा है।

इसके अलावा वायनाड सीट के रिजल्ट को लेकर भी काफी उत्सुकता है, जहां से प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की है। साथ ही राजस्थान में 7, पश्चिम बंगाल में 6, असम में 5, पंजाब और बिहार में 4-4 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे से जहां सत्ताधारी गठबंधन सब पर भारी प?ता दिखाई दे रहा है। वहीं, कर्नाटक और केरल में 3-3 सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस गठबंधन की लाज बच गई है। इनके अलावा उत्तराखंड की केदारनाथ सीट पर नजरें टिकी हैं, जहां भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र-झारखंड में सियासी सूझबूझ मस्त साबित हुआ, जबकि अहंकार पस्त हो गया।

-कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

भावनाओं का भंवरजाल (व्यंग्य)

भावना ! यह शब्द सुनते ही कानों में घंटियों की मधुर आवाज़ और मन में हल्की-सी खुमारी छा जाती है। अरे, इसलिए नहीं कि यह हमारी किसी पुरानी गर्लफ्रेंड का नाम है, बल्कि इसलिए कि वह भी एक जमाना था जब हम भावनाओं से खेलते नहीं थे, बस उनके अधीन रहना चाहते थे। भावनाओं के आधार पर ही ज़माने भर को 'भाव' देते थे। लेकिन आजकल भावना कुछ और ही हो गई है। भावना अब वह नहीं रही जो रोम-रोम में बसने वाले भाव थे। बहुत ढूंढा, जी... मन में कई प्रश्न थे। आजकल कहाँ निवास करती है भावना? ये लेटेस्ट वर्जन जो भावना के आ रहे हैं, आखिर इनकी सप्लाई हो कहाँ से रही है? क्या भावना का भी चाइनीज वर्जन लॉन्च हो गया है? देखो तो, ज्यादा चलती ही नहीं, यार... तुरंत भड़क जाती है। आहत हो जाती है। कोई भावना से खेले या न खेले, फिर भी जब चाहे तब रिटायर्ड हर्ट। हद है, यार...!

कभी दिल की डूबती नैया को पार करने की पतवार थी भावना। अब यह दिमाग के रिमोट बटन से संचालित होने लगी है। धर्मगुरु इसे मंदिर की चौखट पर बेचते हैं, तो नेता इसे माइक और मंच से। और बेचारे आम लोग? वे इसे खरीदने में अपनी जिंदगी खपा देते हैं।

कभी दिल की डूबती नैया को पार करने की पतवार थी भावना। अब यह दिमाग के रिमोट बटन से संचालित होने लगी है। धर्मगुरु इसे मंदिर की चौखट पर बेचते हैं, तो नेता इसे माइक और मंच से। और बेचारे आम लोग? वे इसे खरीदने में अपनी जिंदगी खपा देते हैं।

जब चाहें, जहां चाहें, जैसा चाहें, भावना बैठी है आहत होने के लिए तैयार... बस पलक झपकने की देर है। भावना, जो बिना किसी जात-पात, धर्म, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब का भेदभाव किए समान रूप से आहत हो सकती है। भावना, जो चर-अचर सभी ब्रह्मांड में समान रूप से व्याप्त है, अगर आहत होने पर आए, तो किसी के दो बोल, रंग, रूप, या इशारे से भी आहत हो सकती है।

मुझे लगता है कि भावना अब इंसान के आचार-व्यवहार के लिए नहीं, केवल व्यापार का माध्यम बन गई है। भावनाओं को या तो भड़काया जाता है या आहत किया जाता है। राजनीति, धर्म, समाज, बाजार, मनोरंजन—हर जगह भावनाएं शतरंज के मोहरों की तरह हैं, जो हर हारी हुई बाजी को जीत सकती हैं। भावनाओं को भुनाने का व्यापार चल पड़ा है। मनोरंजन का बाजार इसी पर टिका है। कोई फिल्म किसी धर्म, जाति, समुदाय की भावनाओं को आहत कर दे, तो बस फिर क्या! फिल्म विवाद के सहारे बॉक्स ऑफिस पर छलांग लगाती है।

भावना के तवे के नीचे मुद्दे की आग लगाकर राजनीतिक रोटियां सेंकी जाती हैं। भावना की ही खाद देकर वोट की फसल उगाई जाती है। राजनीति के खेल में भावनाओं की गूगली फेंकी जाती है, जो विरोधियों की धुआंधार बल्लेबाजी को रोकने में कारगर होती है।

एक तरफ तो इंसान इतना भावना-विहीन हो गया है कि उसने भावनाओं को सात तालों में कैद कर रखा है। आप आत्मा तक निचोड़ लीजिए, भावना फिर भी बाहर नहीं आएगी।

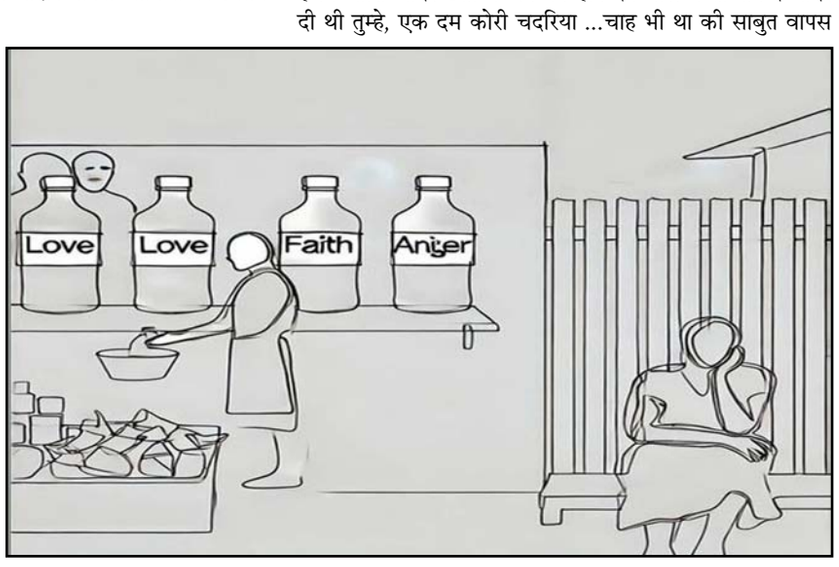

फिर ये कौन-सी भावना है जो जब चाहे आहत हो जाती है? ये कौन-सी भावना है जो इतनी नाजुक, नकचढ़ी और 'ड्रामा क्वीन' है? यूं समझिए, इसने शायद रूठे फूफा से खास ट्रेनिंग ली हो। इसे आहत होने के लिए बस एक इशारे की जरूरत होती है।

रोज भावनाओं का सूखा पड़ता है, जैसे पूरा शहर बंजर जमीन हो गया हो। देखिए न, चौराहे पर... एक निराश्रित बुजुर्ग महिला पड़ी है। एक मनचला, बाइक की तेज रफ्तार में उसे गिरा गया है। लोग जल्दी में हैं। न जाने कितने वाहन सरपट निकल गए, जैसे वह महिला दिखी ही न हो। ट्रैफिक पुलिस अब सीटी बजाकर वाहनों को हटाने की कोशिश कर रही है। बाकी कुछ लोग इस घटना को 'ब्रेकिंग न्यूज' के रूप में सोशल मीडिया पर परोसकर जागरूक नागरिक होने का फर्ज निभा रहे हैं।

बुजुर्ग महिला की चीखें शायद यह टटोल रही हैं कि क्या किसी के दिल के किसी कोने में छुपी कोई भावना उसकी पुकार सुन लेगी।

हमारे देश में भावना का बिछौना हर चौराहे पर बिछा है। कहीं भगवा, कहीं हरा, तो कहीं नीला। जनता अपनी-अपनी भावना की चादर में पैर समेटने की कोशिश कर रही है, लेकिन पैर चादर में समा नहीं रहे। बस, एक-दूसरे की चादरें खींच रहे हैं। चादर में से टांग बहर निकल रही है तो लगे हैं टांग अडाने में । हर कोई चाहता है कि सारी चादरें उसी के रंग की हों। देने वाले ने तो सफेद चादर दी थी तुम्हे, एक दम कोरी चदरिया ...चाह भी था की साबुत वापस दे देना मुझे...लेकिन तुमने इसे रंगने के चक्कर में फाड़ दिया।

विज्ञापन भावना को 'कास्ट' कर रहे हैं। लीड रोल में है भावना—'खरीदिए यह पैकेज, मिलेगा भावना का मुफ्त उपहार, खास आपके धर्म और जाति के लिए बेस्ट डील!' भावना की रेसिपी परोसी जा रही है... थोड़ा-सा आहत होने का मसाला और ढेर सारा गुस्से का तेल डालकर।

बड़े-बड़े ठेकेदार बैठे हैं भावनाओं को खरीदने और बेचने के लिए। मंचों, रैलियों, टीवी डिबेट में भावनाओं की बोली लग रही है। जो जितना ज्यादा भावनाओं को आहत कर सकता है, वह उतना ही सटीक प्रवक्ता, वक्ता, नेता, आलोचक या प्रचारक बन जाता है।

जनता से ये भावनाएं नहीं संभलतीं। अरे गृहस्थी तो संभल नहीं रही.. क्या खाक संभालेगा भावनाओं को.. । जनता ने चुन लिए हैं न कुछ ठेकेदार अपने ही बीच से ,जिन्होंने ले लिया है ठेका इन्हें संभालने का । वे ही तय करते हैं कि भावनाओं के साथ क्या करना है। कब इन्हें सुलाना है, कब जगाना है, कब भड़काना है और कब इनके आहत होने पर विलाप करवाना है।

भावना के तवे पर मुद्दों की रोटी सेंकने वाले यही करते आए हैं। भावना अब घिसी-पिटी घड़ी बन चुकी है, जो न समय बताती है, न चलती है। बस आपके ईगो के ड्राइंग रूम में सजी रहती है। किसी ने छेड़ दी तो आरोप लग जाता है—'घड़ी चल रही थी, तुमने छेड़कर बंद कर दी।'

- डॉ. मुकेश असीमित

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : दशमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। खर्च की अधिकता रहेगी। सिर दर्द,नेत्र-पीड़ा, स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आर्थिक मामलों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा असमंजस में रहेगी। प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापार की स्थिति नकारात्मक होगी। कोर्ट-कचहरी में हार का सामना करना पड़ सकता है। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
यात्रा का प्रोग्राम अभी न करें। मान-प्रतिष्ठा में आंच आ सकती है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान लगभग ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति भी मध्यम और व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर और साथ पर ध्यान दें। नकारात्मक माहौल रहेगा, स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, हालांकि वो कर नहीं पाएंगे। लेकिन परेशान जरूर करेंगे। पैरों पर चोट-चपेट लग सकता है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित। थोड़ा बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत है। स्वास्थ्य नरम-गरम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृह-कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में असमंजस की स्थिति रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। नाक,कान और गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीक है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
धन हानि के संकेत हैं। निवेश वर्जित रहेगा। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। बच्चों के लेकर, प्रेम को लेकर मन परेशान रहेगा।

सीपीआई (एम) दिल्ली-एनसीआर कमेटी का सम्मेलन सम्पन्न

दिल्ली/ नोएडा (चेतना मंच)। लोकतंत्र बचाओ, वर्ग संघर्षों को तेज करो के आह्वान के साथ भारत की कम्युनिस्ट

पार्टी मार्क्सवादी दिल्ली एनसीआर कमेटी का 17 वां दो दिवसीय राज्य सम्मेलन सुरजीत भवन नई दिल्ली पर आरंभ हुआ। सम्मेलन की शुरुआत राज्य कमेटी के वरिष्ठ नेता कामरेड जगदीश चंद्र शर्मा द्वारा झंडा रोहण करने और सम्मेलन को विधिवत चलाने के लिए कामरेड मेमुना मौला, बृजेश कुमार सिंह, वीरेंद्र गौड़, अंजना झा चार सदस्य अध्यक्ष मंडल के गठन के साथ हुई।

सम्मेलन में अध्यक्ष मंडल की ओर से कामरेड बृजेश कुमार सिंह ने शोक प्रस्ताव रखते हुए कामरेड सीताराम येचुरी, कामरेड कोडियारी बालकृष्णन, कामरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य, कामरेड एन शंकरैया, कामरेड सुनीत चोपड़ा, कामरेड वासुदेव आचार्य, कामरेड प्रमिला पधे, कॉमरेड कांति मोहन सोज, कामरेड राजीव झा, अब्दुल गफूर नूरानी एवं पिछले तीन वर्षों में 41 पार्टी सदस्यों के निधन व जनवादी आंदोलन में वर्ग संघर्ष करते हुए अपनी जान की कुर्बानी देने वाले तथा देश की रक्षा करते हुए और प्राकृतिक आपदाओं चलते असमय मौत का शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिवंगत सभी लोगों को 2 मिनट का मौन रखकर सम्मेलन में उपस्थित डेलीगेट्स द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

सम्मेलन में उद्घाटन भाषण सीपीआई एम पोलिट ब्यूरो सदस्य कामरेड प्रकाश करात ने रखा। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय परिस्थितियों को रेखांकित किया। और संगठनात्मक कमजोरी को दुरुस्त कर कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र को बचाने व वर्ग संघर्षों को तेज करने की अपील किया।

सम्मेलन के समक्ष माकपा दिल्ली राज्य सचिव कामरेड के. एम. तिवारी ने पिछले 3 साल के काम काज और आगामी 3 वर्षों के लिए भविष्य की योजना रिपोर्ट रखी। जिस पर 2 दिन चलने वाले सम्मेलन में डेलीगेट अपने-अपने सुझाव रखते हुए रिपोर्ट पर बहस करेंगे तथा जन मुद्दों पर संघर्षों को तेज करने के कई प्रस्ताव सम्मेलन के समक्ष रखे जाएंगे तथा नई राज्य कमेटी का चुनाव किया जाएगा।

सम्मेलन में गौतम बुध नगर से सीपीआई एम नेता कामरेड रामसागर, डॉक्टर रुपेश वर्मा, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामस्वारथ, मुकेश कुमार राघव, आशा यादव, चंदा बेगम, रेखा चौहान, जोगिंदर सैनी, नरेंद्र पांडे, भरत डेंजर, अजीत सिंह, लता सिंह, रमाकांत सिंह डेलीगेट के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन में सीपीएम की राष्ट्रीय नेता कामरेड वृंदा करात केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड पुष्पेंद्र ग्रेवाल सहित के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

भाजपा की महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में हुई ऐतिहासिक जीत पर सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा को मिठाई खिलाते भाजपा के मंडल अध्यक्ष रवि प्रधान।

आरडब्ल्यूए की वार्षिक बैठक हुई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर ईटा-1 में आरडब्ल्यूए की वार्षिक बैठक का आयोजन किया

गया। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दीपक भाटी ने की व संचालन पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रधान ब्रजपाल राठी ने की।

बैठक में पूरे साल का आय व व्यय का ब्योरा कोषाध्यक्ष के द्वारा दिया गया। सेक्टरों की विभिन्न समस्याओं पर लोगों ने चर्चा की जैसे कि पानी की सप्लाई साफ़ सफ़ाई पार्कों पार्क सर्विस रोड स्ट्रीट लाइट सेक्टर की सुरक्षा आदि विषयों पर चर्चा की।

बैठक मे सतबीर बंसल संजय सिंघल नीरज नागर संजय भाटी प्रवीण उधम राजपाल सिंह विजय बैसोया श्रीमती तेज शर्मा श्री ममता ठाकुर एस एस भाटिया आदि लोग उपस्थिति रहे।

भाजपा की चुनाव समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर स्थित पर जिला संगठन पर्व चुनाव समिक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन सह चुनाव अधिकारी अनिल चौधरी व उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन सह चुनाव अधिकारी व क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर मुख्य अतिथि रहे।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की बैठक का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया। संगठन पर्व बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनिल चौधरी ने कहा कि भाजपा संगठन चुनाव को एक पर्व के अनुसार मनाते हुए बूथ गठन के चुनावों में लगी है और उसके बाद मंडल गठन चुनाव होगा। सभी संगठन के चुनावी पर्व की तरह खुशी हर्षोल्लास से पूर्ण हों उसके लिये सभी मंडलों के चुनाव अधिकारी बनाये गये है और सभी चुनाव अधिकारी संगठन पर्व के रूप में सर्वसम्मति से बूथ गठन के कार्यों को पूरा करें।

भाजपा प्रदेश संगठन पर्व चुनाव सह चुनाव अधिकारी हरीश ठाकुर ने कहा कि भाजपा संगठन चुनाव को पर्व के रूप में

पहले सदस्यता संगठन पर्व अभियान की शुरूआत 2 सितंबर से पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मान्य श्री जेपी नडडा जी ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मान्य श्री नरेन्द्र मोदी जी को कराते हुए अभियान की शुरुआत की जिसमे पूरे देश में भाजपा के लगभग इन तीन महीनों में 11 करोड़ से अधिक भाजपा सदस्य बन चुके हैं संगठन पर्व चुनाव पर सभी बूथों का गठन करने के काम को पूरा करे क्जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि 13 नवम्बर से 15 तक सभी मंडलों की संगठन पर्व कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जो भी पूर्व पदाधिकारी कार्यकर्ता बूथ पर काम कर रहे है उनको साथ लेकर सर्वसम्मति से बूथ गठन का कार्य करे।

इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला महामंत्री दीपक जुलि सह चुनाव अधिकारी योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी पूर्व जिलाध्यक्ष विजय भाटी दादरी नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित बिजेंद्र प्रमुख सुभाश भाटी डॉक्टर अशोक नागर दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी पवन रावल सतेन्द्र नागर पवन नागर राहुल पंडित जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य सचिन शर्मा पंकज रावल जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी सांसद प्रतिनिधि अभिषेक शर्मा सतपाल तालान सुनील शर्मा कोट इन्द्र नागर दिनेश भाटी अमित पंडित महेश शर्मा संजय भाटी मनोज भाटी राजीव सिंघल विजय रावल अनीता गौतम महेन्द्र नागर राज नागर रजनीं तोमर संतवीर भाटी बिरेन्द्र भाटी मनोज प्रधान सतीश भाटी अंश नागर श्यामवीर भाटी अशोक रावल मुकेश चौहान आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

मुट्ठी भर लोग संसद को ....

ज्यादा सफल नहीं होता और देश की जनता उनके सारे व्यवहारों को देखती है और जब समय आता है, तब सजा भी देती है। सबसे ज्यादा पीड़ा की बात ये है कि जो नए सांसद नए विचार और नई ऊर्जा लेकर आते हैं, उनके अधिकारों को कुछ लोग दबोच देते हैं। सदन में उनको बोलने का अवसर नहीं मिलता।

ग्रेटर नोएडा में किसानों....

आंदोलन है। जिसमें भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भी शामिल होने के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंच गए हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर काफी लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन कोई परिणाम निकल कर सामने नहीं आए। अब मजबूरी में किसानों ने फैसला लिया है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ एक बड़ा महाआंदोलन किया जाएगा।

किसान नेता जगबीर नंबरदार ने बताया कि इस आंदोलन में करीब 25,000 से ज्यादा किसान शामिल होंगे। करीब 10 बड़े संगठनों ने इसको लेकर पहले से तैयारी शुरू कर दी है। अबकी बार आर-पार की लड़ाई होगी। अब किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। लाखों किसान परेशान हैं। सरकार को अब हमारी सुननी होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से लाखों किसान प्रभावित हैं। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि सभी किसानों को 10 फीसदी जमीन और 64.7 फीसदी बढ़ा हुआ मुआवजा देने और नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ देने की मांग को लेकर जिले के 10 से अधिक किसान संगठन एक साथ मिलकर आंदोलन में एकजुट हुए हैं।

संभल में सरकार ने ....

मुस्लिम बहुल क्षेत्र में वोट डालने से लोगों को रोका। उन्होंने प्रैस से अपील की कि वह इस मामले में सच्चाई दिखाएं।अखिलेश ने कहा कि संभल हिंसा के मुद्दे को संसद में जब भी उठाने का मौका मिलेगा उसको उठाया जाएगा।

महापंचायत में पहुंचे किसान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर आज संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर में करीब 50,000 किसान आरपार की लड़ाई लड़ेंगे।

इस संबंध में किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने बताया कि पिछले लंबे समय से संगठन अपने अपने तरीक़े से लड़ाई लड़ रहे थे लेकिन सभी ने एक मंच पर आकर संयुक्त किसान मोर्चे का गठन किया है और इस लड़ाई को मज़बूती से लड़ने का फ़ैसला किया है। कल हज़ारों की संख्या में किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ता महापंचायत में शामिल होंगे जिसमें मुख्य माँग दस पर्सेंट भूखण्ड एवं भूमि अधिग्रहण क़ानून 2013 को लागू कराना है।

प्राधिकरण और जिला प्रशासन पिछले लंबे समय से किसानों को गुमराह कर रहा है अब किसानों ने मिलकर ये तय किया है अगर सरकार और प्रशासन किसानों का हक़ नही देगा तो किसान पीछे हटने वाले नहीं है। किसानों का प्राधिकरणों में लगातार शोषण किया है इस शोषण के खिलाफ़ क्षेत्र का किसान मज़दूर महिलाएँ सभी इकट्ठा हो चुके हैं और जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता तब तक लड़ाई जारी रहेगी। आंदोलन दिन रात का होगा और पक्के मोर्चे लगाकर होगा अगर सरकार और शासन प्रशासन ने आवाज़ नहीं सुनी तो दिल्ली के लिए भी कुछ किया जाएगा।

हिन्दु राष्ट्र बनकर रहेग भारत : रवि प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भारत को हिंदू राष्ट्र

बनाने की मांग को लेकर शुरू की गई पैदल यात्रा में शामिल होने पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के नेता रवि प्रधान रवि ने कहा कि भारत देश हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि भारत देश हिंदू राष्ट्र बनना तय है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से भारतीय जनता पार्टी में रहा हूं और रहूंगा। कुछ लोग मेरे बारे में अफवाहफैलाकर गलत प्रचार प्रसार कर रहे हैं उन्होंने कहा कि मेरा कभी भी सपा बसपा कांग्रेस या अन्य दल से कोई संबंध नहीं रहा ना मैं किसी भी दल का सदस्य कभी नहीं रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमेशा में सनातन को मजबूत करने का काम किया है और आगे भी करता रहूंगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

हुंडई मोटर नॉर्थ अमेरिका ने 42,000 से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाया

न्यूयॉर्क। हुंडई मोटर नॉर्थ अमेरिका ने एक बयान जारी करके घोषणा की कि वे 42,000 से अधिक वाहनों को वापस बुलाने जा रहे हैं। इस निर्णय का मुख्य कारण एक वायरिंग समस्या है, जो इन वाहनों के रोलिंग को खतरे में डाल सकती है। अमेरिकी नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन की जानकारी अनुसार इस समस्या को 2025 हुंडई सेंटा और हुंडई टक्सन मॉडल्स में पाया गया है। इन वाहनों में एक गंभीर ट्रांसमिशन दोष है जिसके कारण ये वाहन बिना ब्रेक पैडल दबाए पार्क मोड से बाहर शिफ्ट हो सकते हैं। ?जिससे दुर्घटना होने की संभावना है।

एयर इंडिया ने पूर्वोत्तर से अपनी उड़ानें बढ़ाई

गुवाहाटी। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने शीतकालीन कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर के तीन प्रमुख गंतव्यों- गुवाहाटी, अगरतला और इंफाल से उड़ानें बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के द्वारा की गई इस घोषणा से यात्रियों की सुविधा में सुधार की उम्मीद है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुवाहाटी से अपने परिचालन को पिछली सर्दियों के 63 से बढ़ाकर 106 साप्ताहिक उड़ानें कर दिया है। यह दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, इंफाल, जयपुर और कोलकाता के गंतव्यों के लिए सीधा संपर्क प्रदान करने में मदद करेगा। एयरलाइन ने गुवाहाटी से 18 घरेलू गंतव्यों और छह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने इंफाल में भी उड़ानों की संख्या को बढ़ाकर यात्रा के लिए नई सुविधाएं पेश की हैं। एक एयरलाइन के अधिकारी ने इस सुधार के महत्व को बढ़ाते हुए कहा ?कि हमारे बेड़े में अब 90 से अधिक विमान हैं और यह तेजी से बढ़ रहा है। हम उभरते भारतीय शहरों की उभरती जरूरतों का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। इस विस्तार योजना से पूर्वोत्तर के लोगों के लिए सस्ती सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को भी फायदा होगा।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 17.76 अरब डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था। सितंबर के अंत में भंडार 704.88 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर था, फिर से उसमें पिछले कई हफ्तों से गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रहीं। इसमें उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियां शामिल हैं, जिनमें यूरो, पाउंड, और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राएं होती हैं। साथ ही स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा और विशेष आहरण अधिकार 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया। इन आंकड़ों की छठे संख्याक चिह्न है, जो देश की विदेशी मुद्रा संबंधी स्थिति को दशार्ते हैं।

मारुति ग्रैंड विटारा पर 1.73 लाख रुपए का डिस्काउंट

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने अपनी दो लोकप्रिय एसयूवी जिमनी और ग्रैंड विटारापर नवंबर माह में भारी डिस्काउंट दे रही है। दोनों एसयूवी पर इस महीने 2.30 लाख रुपये की छूट मिल रही है। इस छूट में 80,000 रुपए का कैश डिस्काउंट भी दिया जा रहा है। ग्रैंड विटारा की शुरूआती कीमत 10.99 लाख रुपये है। इस महीने आप 1.73 लाख रुपये तक की बचत कर सकते हैं। इस डिस्काउंट में 50,000 का कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस 55,000 रुपये और अन्य 68100 रुपये के अन्य ऑफर शामिल हैं।

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन व बिनौला तेल में सुधार

एजेंसी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में कीमतें कम होने से मंडियों में आवक घटने की वजह से शनिवार को देश के प्रमुख बाजारों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल के की कीमतों में सुधार देखा गया। सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि किसानों के पास अब सरसों का काफी कम स्टॉक बचा है और हाजिर बाजार का दाम कम रहने की वजह से वे मंडियों में कम माल ला रहे हैं। यही हाल सोयाबीन तिलहन का भी है। मंडियों में सोयाबीन के हाजिर दाम कम हैं और सभी जान रहे हैं कि सरकारी खरीद में किसानों की सारी ऊपज खरीदा नहीं जा सकता। ऐसे में जब हाजिर दाम कम हो तो किसानों को उम्मीद है

कि सरकार सोयाबीन किसानों के लिए कुछ कदम उठायेगी। इस उम्मीद में वे मंडियों में उपज भी कम ला रहे हैं। यही नजारा कपास के मामले में भी है। सोमवार को विदेशी एक्सचेंजों के खुलने के बाद आगे के रुख के बारे में पता लगेगा। वहीं शनिवार को तेल तिलहन के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 6,550-6,600 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,350-6,625 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 14,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,260-2,360 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,260-2,385 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,400 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 14,000 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 13,000 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,425-4,475 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,125-4,160 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)- 4,100 रुपये प्रति क्विंटल।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में एक लाख इनोवा हाईक्रॉस बेचने का मनाया जश्न

एजेंसी

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में इनोवा हाईक्रॉस की 1,00,000 गाड़ियों की बिक्री की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की और इसका जश्न मनाया। लॉन्च किये जाने की दूसरी सालगिरह पर यह उपलब्धि ब्रांड टोयोटा पर ग्राहकों के भरोसे को मजबूत करती है। नवंबर 2022 में लॉन्च की गई इनोवा हाईक्रॉस, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अभिनव डिजाइन के साथ टोयोटा की विश्व स्तर पर प्रसिद्ध गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता (क्यूडीआर) का एक सहज मिश्रण प्रस्तुत करती है। 2.0 लीटर 4 सिलेंडर गैसोलिन इंजन और ई-ड्राइव सीक्वेंशियल शिफ्ट से युक्त, यह 137 केडब्ल्यू (186 पीएस) का प्रभावशाली पावर आउटपुट देता है साथ ही अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता प्रदान करता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, 'हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि इनोवा हाईक्रॉस ने 1,00,000 यूनिट की उपलब्धि हासिल कर ली है। हम अपने ग्राहकों के भरोसे और समर्थन के लिए दिल से उनका शुक्रिया अदा करते हैं, क्योंकि हम बेजोड़ मोबिलिटी अनुभव प्रदान करना जारी रखते हैं।' इसकी श्रेणी-अग्रणी विशेषताओं में पावर्ड ओटोमन सेकंड-रो सीट, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, डुअल-जोन एयर कंडीशनिंग, टोयोटा की सुरक्षा समझ, 65+ कनेक्टेड फीचर्स और पावर बैक डोर शामिल हैं।

अदाणी समूह की 11 कंपनियों पर अमेरिका में कोई अभियोग नहीं : सीएफओ

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी जुगेशिंदर सिंह ने समूह पर लगाए गए फजीर्वाड़े के आरोपों का खुलासा ?किया है। जुगेशिंदर सिंह ने अदाणी ग्रीन कंपनी से जुड़े अनुबंध को लेकर उठाए गए आरोपों को नकारा और बताया कि समूह की कोई भी कंपनी अमेरिकी न्याय मंत्रालय द्वारा दायर मामले में प्रतिवादी नहीं है। उन्होंने एक एक्स पोस्ट के माध्?यम से बताया कि समूह की 11 सार्वजनिक कंपनियों या उनकी सहायक कंपनियों में से कोई भी अमेरिकी न्याय मंत्रालय (डीओजे) द्वारा दायर

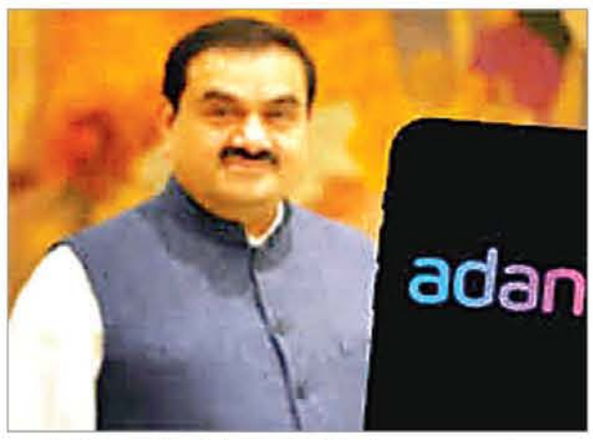

मामले में प्रतिवादी नहीं है, न ही उन पर गलत काम करने का आरोप है। उन्होंने भी यह जानकारी दी कि समूह ने अपने ऑफरिंग सर्कुलर में संभावित जोखिमों का खुलासा किया था, जिसकी अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। सिंह ने कहा कि कुछ असत्य खबरों के चलते उनके खिलाफ सनसनी फैला दिया जा रहा है, और वह कानूनी इलिंग में उल्लिखित मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने दुरुपयोग को नकारते हुए कहा कि कोई भी न्यायिक फैसला अब तक नहीं हुआ है और आरोपी को निर्दोष माना जाना चाहिए। वह व्यक्ति समूह ने परिषद की मंजूरी मिलने के बाद अधिक टिप्पणी करने का एलान किया है और उन्होंने भी आलेखिक नई सोच के मामलों पर सार्वजनिक चर्चा करने का आदेश दिया है। अदाणी समूह ने पहले से ही अमेरिकी न्याय मंत्रालय और प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के आरोपों का खंडन किया था।

भारत ने 300 अरब अमेरिकी डॉलर के जलवायु वित्त समझौते को किया खारिज

एजेंसी

अजरबैजान। भारत ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के लिए 300 अरब अमेरिकी डॉलर के नए जलवायु वित्त पैकेज को रविवार को खारिज कर दिया। भारत ने इस खारिज करते हुए कहा कि यह बहुत कम है और बहुत देर से दिया गया है। ग्लोबल साउथ का संदर्भ दुनिया के कमजोर या विकासशील देशों के लिए दिया जाता है। अजरबैजान में हुई संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में राष्ट्रों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ग्लोबल साउथ के लिए 300 अरब अमेरिकी डॉलर के वित्त समझौते पर सहमति जताई। आर्थिक मामलों के विभाग की सलाहकार ने भारत की ओर से बयान देते हुए कहा कि उन्हें समझौते को अपनाने से पहले अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि 300 अरब अमेरिकी डॉलर विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं है। यह सीबीडीआर और समानता के सिद्धांत के साथ अनुरूप नहीं है। भारतीय वाताकार ने कहा कि हम इस प्रक्रिया से नाखुश और निराश हैं और इस एजेंडे को अपनाए जाने पर आपत्ति जताते हैं। नाइजीरिया ने भारत का समर्थन करते हुए कहा कि 300 अरब अमेरिकी डॉलर का जलवायु वित्त पैकेज एक मजाक है। मलावी और बोलीविया ने भी भारत का समर्थन किया है।

एक खामी व हुंडई वापस बुलाने जा रही 42,000 से अधिक वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर उत्तरी अमेरिका में 2025 मॉडल के सेंटा क्रूज और टुजकॉन के 42,000 वाहनों को वापस बुलाने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि वाहनों के वायरिंग में समस्या के चलते कंपनी ने रिकॉल का फैसला लिया है। अमेरिकी नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, यह समस्या इन वाहनों को पार्क मोड से बाहर शिफ्ट होने की अनुमति देती है, जिससे सड़क पर अप्रत्याशित रूप से वाहन चल सकते हैं और दुर्घटना हो सकती है। रिकॉल के तहत 35,500 टुजकॉन और 6,900 सेंटा क्रूज वाहन वापस मंगाए गए हैं। कंपनी का कहना है कि अब तक किसी दुर्घटना, मौत या आग की सूचना नहीं मिली है। वाहन मालिकों को वाहन चलाते समय पार्किंग में ब्रेक लगाने की सलाह दी गई है। हुंडई डीलर्स समस्या को मुफ्त में ठीक करेंगे, जिसमें कंसोल वायरिंग को सुधारना शामिल होगा। मालिकों को 19 जनवरी 2025 तक सूचना पत्र भेजे जाएंगे। इसके अलावा हुंडई ने 145,000 इलेक्ट्रिक जेनिसिस और आईओनिक वाहनों को भी वापस बुलाया है। इनमें आईओनिक 6 और जेनिसिस जीवी60 मॉडल शामिल हैं, जिनमें आईसीसीयू (इंटीग्रेटेड चार्जिंग कंट्रोल यूनिट) में खराबी के कारण बैटरी चार्ज नहीं हो पा रही है। डीलर्स इस समस्या को मुफ्त में हल करेंगे और सॉफ़्टवेयर अपडेट करेंगे।

पीजी इलेक्ट्रो प्लास्ट के शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज और प्लास्टिक मोल्डिंग सेक्टर की कंपनी पीजी इलेक्ट्रो प्लास्ट के शेयर ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पांच साल पहले इस शेयर की कीमत केवल 3.77 रुपये थी, जो अब बढ़कर 680 रुपये हो गई है। ऐसा नहीं है कि इस मल्टीबैगर स्टॉक ने केवल लॉन्ग टर्म में ही शानदार रिटर्न दिया है, पिछले छह महीनों में ही इसकी कीमत में 187 फीसदी का इजाफा हो चुका है। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, कंज्यूमर ड्यूरेबल और इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स

मैन्युफैक्चरिंग और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग सेवाएं देती है। 2003 में स्थापित यह कंपनी ओरिजिनल डिजाइन मैन्युफैक्चरिंग, ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग और प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी के ग्राहकों में बीपीएल, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, ऐसर, ब्लूस्टार, गोदरेज, हैवल्स, लॉयड, एलजी, हुंडई, रिलायंस डिजिटल, व्हर्लपूल और वोल्टास जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कंपनी 45 से अधिक भारतीय और वैश्विक ब्रांड्स को अपनी सेवाएं देती हैं। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट का शेयर 22 नवंबर 2024 को 683.85 रुपये पर बंद हुआ। 22 नवंबर 2019 को इसकी कीमत मात्र 3.77 रुपये थी। इस तरह पांच साल की अवधि में इस मल्टीबैगर शेयर ने 18,039 फीसदी का रिटर्न दिया। पिछले एक महीने में इस शेयर की कीमत में 15 फीसदी का उछाल आया है। पिछले छह महीने में यह शेयर 162 फीसदी तो सालभर में 186 फीसदी उछला है।

सराफा बाजार में सोना व चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में सोना आज लगातार पांचवें दिन महंगा हुआ है। शुरूआती कारोबार में इस चमकीली धातु की कीमत में आज 750 रुपये से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,790 रुपये से लेकर 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये से लेकर 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह आज चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 93,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

डिजिटल हेल्थ व एआई में शोध को बढ़ावा देने की पहल

सैमसंग आरएंडडी व आईआईटी बॉम्बे के बीच समझौता

एजेंसी

पटना। सैमसंग आरएंडडी इंस्टिट्यूट नोएडा (एसआरआई-नोएडा) और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे ने डिजिटल हेल्थ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य उभरती तकनीकों में शोध को प्रोत्साहित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पांच वर्षीय साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीकों में संयुक्त शोध करना और अगली पीढ़ी की तकनीकों का विकास करना है। एमओयू

के तहत, आईआईटी बॉम्बे के छात्र सैमसंग के इंजीनियरों के साथ मिलकर काम करेंगे, जिससे उन्हें उद्योग का प्रायोगिक अनुभव मिलेगा। सैमसंग के इंजीनियरों के लिए आईआईटी बॉम्बे विशेष प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम भी आयोजित करेगा, जिससे वे डिजिटल हेल्थ और एआई जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकें। समझौते पर हस्ताक्षर एसआरआई-नोएडा के प्रबंध निदेशक क्युनग्यून और आईआईटी बॉम्बे के शोध एवं विकास विभाग के एसोसिएट डीन प्रो. उपेंद्र वी. भंडारकर ने किए। इस अवसर पर कोइटा सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ के प्रमुख प्रो. रणजीत पादिनहतीरी और अन्य प्रख्यात शिक्षाविद भी मौजूद थे।

वैश्विक रुझान से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी

एजेंसी

मुंबई। इस सप्ताह वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी बाजार सोमवार को प्रतिक्रिया देगा। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण हैं। खासकर महाराष्ट्र जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एकतरफा जीत दर्ज की है। हालांकि, वैश्विक कारक बाजार के लिए जोखिम पैदा करते रहेंगे। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव

और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई को लेकर चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव पड़ रहा है, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से रिकॉर्ड निकासी हो रही है। उन्होंने कहा कि बाजार की दिशा के लिए एफआईआई का प्रवाह महत्वपूर्ण रहेगा। महाराष्ट्र चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन और झारखंड में इंडिया गठबंधन ने अपनी सत्ता बरकरार रखी है। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर का उतार-चढ़ाव भी बाजार को प्रभावित करेगा। वैश्विक स्तर पर पर अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी निवेशकों की धारणा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीडीपी सहित व्यापक आर्थिक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह पर रहेगी, खासकर हाल के समय की उनकी बिकवाली को देखते हुए।

आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 1,55,603.45 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में भी गिरावट आई। अन्य कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार

मूल्यांकन 40,392.91 करोड़ रुपये बढ़कर 13,34,418.14 करोड़ रुपये हो गया। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। टीसीएस की बाजार हैसियत 36,036.15 करोड़ रुपये बढ़कर 15,36,149.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 16,266.54 करोड़ रुपये बढ़कर 9,01,866.22 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 16,189.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,151.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,239.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,74,569.05 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 11,508.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,272.93 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,260.11 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,068.84 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 10,709.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,28,293.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 11,954.24 करोड़ रुपये घटकर 5,62,545.30 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,368.16 करोड़ रुपये घटकर 17,13,130.75 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने लॉन्च की विंडसर कार

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल ही में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार विंडसर लॉन्च की है। यह कार एसएआईसी मोटर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप का जॉइंट वेंचर है। इस मॉडल विंडसर की शुरूआती कीमत 10 लाख रुपये से कम हो गई है, जो इसे इलेक्ट्रिक कार बाजार में एक किफायती विकल्प बनाता है। विंडसर को अक्टूबर 2024 में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसमें 20,000 से अधिक बुकिंग्स और 3,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। बीएएएस का ऑप्शन 15 प्रतिशत ग्राहकों द्वारा चुना गया, और कंपनी ने अक्टूबर में 4,878 यूनिट्स की बिक्री की, जिससे वह भारत की दूसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बन गई। जेएसडब्ल्यू एमजी की मार्केट शेयर सितंबर में 16.5 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर के पहले 20 दिनों में 34 प्रतिशत हो गई। इस सफलता का कारण कार की सस्ती कीमत और बीएएएस जैसी नई टेक्नोलॉजी है, जो ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक कार को अधिक किफायती बनाती है। कंपनी का लक्ष्य 2028 तक 60-70 प्रतिशत सेल्स न्यू एनर्जी व्हीकल्स से प्राप्त करना है। जेएसडब्ल्यू एमजी ने इस साल अपने सबसे सस्ते इलेक्ट्रिक मॉडल कॉमेट को भी बीएएएस मॉडल पर पेश किया है।

पर्थ टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में गंवाए तीन विकेट

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 12 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। नाथन मैकस्वीनी खाता भी नहीं खोल सके, जबकि मार्नस लाबुशेन तीन रन और कप्तान पैट कमिंस दो रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब भी 522 रन बनाने हैं। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिए हैं, जबकि सिराज को एक विकेट मिला है।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा है। भारतीय टीम ने मैच की पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इसके बाद जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त मिली थी। अब दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी है। इस लिहाज से भारतीय टीम की कुल बढ़त 533 रन की हुई और ऑस्टेलिया को 534 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 12 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए हैं। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब भी जीत के लिए 522 रन और बनाने हैं। वहीं भारतीय टीम को जीत के लिए सात विकेट और

लेने हैं।भारतीय टीम ने आज बिना विकेट गंवाए 172 रन से आगे खेलना शुरू किया और आधे घंटे के अंदर ही यशस्वी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया। यशस्वी ने छक्का लगाकर टेस्ट करियर में अपना चौथा शतक पूरा किया। तीसरे दिन भारत को पहला झटका केएल राहुल के रूप में लगा। वह 176 गेंदों में पांच चौकों की मदद से शानदार 77 रन बनाकर आउट हुए। राहुल और यशस्वी के बीच 201 रन की साझेदारी हुई। केएल राहुल के बाद बल्लेबाजी के लिए आए देवदत्त पडिक्कल ने भी यशस्वी जायसवाल का खूब साथ दिया और टीम की लीड को 300 के पार पहुंचाया। लंच के बाद पडिक्कल 25 रन बनाकर आउट हुए। पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए यशस्वी के साथ 74 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद यशस्वी 150 रन पूरे करने के बाद आउट हो गए। यशस्वी ने 297 गेंद में 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 161 रन बनाए।भारत को 320 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। ऋषभ पंत बड़े शॉट के चक्कर में स्टंप आउट हो गए। पंत ने एक रन बनाया। ध्रुव जुरेल भी एक रन बनाकर आउट हुए। 410 के स्कोर पर वॉशिंगटन सुंदर के रूप में भारत का छठा विकेट गिरा। सुंगर ने 29 रन बनाए। विराट कोहली और नीतीश कुमार रेड्डी ने तेजी से रन बटोरते हुए टीम के स्कोर को 450 के पार पहुंचाया। इसके बाद विराट कोहली का शतक होते ही भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। विराट ने 143 गेंद में 100 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां शतक रहा। वहीं नीतीश 38 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में नाथन लियोन ने दो विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मार्श को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रनों पर समेट दिया है। बुमराह ने 5 विकेट लिए।

खास खबर

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये हैं, वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे। रोहित शनिवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट से रवान हुए थे। इस दौरान उन्हें पत्नी रितिका सजदेह को गले लगाकर बाय कहते देखा गया था। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही पहले टेस्ट से बाहर रहे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को उन्होंने पहले ही संकेत दिया था कि वे पर्थ टेस्ट नही खेलेंगे। रोहित के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा इससे पहे न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित असफल रहे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर रन बनाकर लय हासिल करना रहेगा। इस साल रोहित ने 11 टेस्ट मैचों में 29.40 के औसत से 588 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं।

गिलक्रिस्ट ने की यशस्वी की जमकर प्रशंसा

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की शानदार पारी की सराहना की है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया है। गिलक्रिस्ट ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी के लिए सलामी बल्लेबाज के खेलने के तरीके और प्रतिबद्धता की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। गिलक्रिस्ट ने कहा कि जिन्होंने उसे खेलते देखा है वे जानते हैं कि वह काफी आक्रामक खिलाड़ी है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टेस्ट क्रिकेट में भी वह अपने आक्रामक अंदाज के कारण जाना जाता है। उसने कम समय में भी काफी छक्के लगाये हैं।

वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइक हसी भी गिलक्रिस्ट से सहमत हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कोच ने किया टीम का बचाव

पर्थ । ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अपनी टीम की गेंदबाजी के प्रभावी नहीं रहने को लेकर सफाई दी है। मैकडोनाल्ड ने अपनी टीम के खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट उतार-चढ़ाव वाला खेल है। यहां मेजबान टीम पहली पारी में 104 रन पर आउट होने के बाद दूसरे दिन भारतीय टीम की दूसरी पारी में एक भी विकेट नहीं ले पायी थी। इसी के बाद कोच मैकडोनाल्ड ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उतार-चढ़ाव वाला है। मैकडोनाल्ड ने कहा कि विकेट अब काफी बदल गया है और यदि आप सीम और स्विंग को देखें, तो यह पहले दिन की तुलना में कम था। वहीं भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों के एल राहुल और यशस्वी जयसवाल ने अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे लोगों ने सही क्षेत्र में गेंदें डालीं। कुछ जगह पर हमसे गलतियां भी हुई अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो हालात कुछ और होते।

विराट ने 17 महीने बाद शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

एजेंसी

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक लगाने के साथ ही एक बार फिर अपना फार्म हासिल किया है। यहां पहली पारी में भी विराट रन नहीं बना पाये थे और केवल 5 रन बनाकर ही जोश हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए थे। विराट ने टेस्ट के तीसरे दिन के अंतिम सत्र में अपना शतक लगाया । इसी के साथ ही विराट ने 17 महीने के बाद कोई शतक लगाया है। इससे पहले विराट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और न्यूजीलैड के खिलाफ पिछली 12 पारियों में वह

केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस मैच से काफी समय बाद विराट अपने ही अंदाज में दिखे। ये विराट का 30वां टेस्ट शतक है। शतक तक पहुंचने में विराट ने 7 चौके और 2 छक्के लगाये। वह टेस्ट में 30 शतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। उससे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने ही भारत की ओर से 30 या उससे ज्यादा शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि महान सर डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट में सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। विराट अब ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा सात टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ ही विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा है। सचिन ने यहां 38 पारियों में 6 शतक लगाये हैं जबकि विराट के 27 पारी में 7 शतक हो गए हैं। इसक अलावा सुनील गावस्कर के नाम यहां 19 पारियों में 5 जबकि वी वी एस लक्ष्मण के नाम 29 पारियों में 4 शतक हैं। विराट ने टेस्ट में अपना अंतिम शतक जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर लगाया था। अब 17 महीने बाद पूर्व भारतीय कप्तान ने टेस्ट में शतक लगाया है।

जॉर्जिया प्लिम्मर चोट के कारण क्रिकेट से बाहर

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिम्मर चोट के कारण शेष वर्ष के लिए क्रिकेट मैदान से बाहर हो गई हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि 20 वर्षीय खिलाड़ी को पिछले महीने भारत में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान बाएं कूल्हे के जोड़ में दर्द का अनुभव हुआ था। न्यूजीलैंड से लौटने पर एमआरआई स्कैन और जांच से चोट की पुष्टि हुई। चोट का मतलब है कि प्लिम्मर क्रिसमस से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध

नहीं होंगी। साथ ही अधिकांश हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड और ड्रीम 11 सुपर स्मैश घरेलू प्रतियोगिताओं को भी मिस करेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा कि जॉर्जिया को छह सप्ताह के आराम और पुनर्वास की आवश्यकता होगी तथा जनवरी में वह तीव्र गति से दौड़ने में पुनः वापसी करेंगी। व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वह प्लिम्मर के लिए दुखी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले उनका न होना निश्चित रूप से हमारे लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और भारत में उनकी हालिया सफलता के बाद यह निराशाजनक है कि वह वेलिंगटन ब्लेज और अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली श्रृंखला में उस फॉर्म को जारी नहीं रख पाएंगी। उन्होंने कहा कि जॉर्जिया अच्छी तरह से पुनर्वास करने और जल्द से जल्द वापस आने के लिए दृढ़ संकल्प है और हम उसके सुचारु रूप से ठीक होने की कामना करते हैं।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में टोटेनहैम ने मैनचेस्टर सिटी को हराया

एजेंसी

लंदन । टोटेनहैम ने गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 4-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही मैनचेस्टर सिटी को पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद मैनचेस्टर की टीम लीग में नंबर एक पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक ही पीछे है। मैनचेस्टर के अभी तक 23 ही अंक हैं जबकि लीवरपूल के 28 अंक हो गये हैं जबकि उसने एक मैच कम खेला है। वहीं टोटेनहैम की टीम 19 अंक लेकर छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन ने 13वें और 20वें मिनट में दो गोल किये जबकि पेड्रो पोरो ने 52वें मिनट और ब्रेनेन जॉनसन ने खेल समाप्त होने के समय एक गोल किया। वहीं तीसरे स्थान पर कायम चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया। चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 3-0 से जीत हासिल की।

राहुल ने यशस्वी से दबाव कम किया : गावस्कर

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि राहुल ने अपनी बल्लेबाजी से यशस्वी जयसवाल पर दबाव कम किया है जिसके कारण ही वह 172 रनों की साझेदारी करने में सफल रहे। गावस्कर ने कहा कि जब कोई बल्लेबाज एक छोर पर टिका रहता है दूसरे बल्लेबाजी जो आक्रामक शॉट लगाता है उसे खुलकर खेलने का अवसर मिल जाता है। इसी कारण यशस्वी मैच में जमकर रन बना पाये। गावसकर ने कहा कि ये दोनो ही पारंपरिक तौर पर टेस्ट मैच में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि जब गेंद पिच हुई तो राहुल ने रन बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। उन्होंने कवर में रन बनाए और पैट कमिंस के खिलाफ अच्छा स्ट्रेट ड्राइव भी खेला।

यशस्वी टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

एजेंसी

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शतक लगाने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इस क्रिकेटर ने पारी के 61वें ओवर में अपना शतक लगाया जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। अपनी शतकीय पारी के साथ ही यशस्वी ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर ही शतक बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले एमएल जयसिम्हा ने साल 1967-68 और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने 1977-78 में पहले ही टेस्ट में शतक लगाये थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज यशस्वी ने

22 साल की उम्र में ही एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वह 28 दिसंबर को अपना 23 वां जन्मदिन मनाएंगे। इस बल्लेबाज के नाम अभी तक तीन शतक हैं और 2024 में अभी तीन मैच और खेलने हैं। वहीं यशस्वी से ज्यादा पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने साल 1971 में 4 शतक, विनोद कांबली ने 1993 में 4 शतक, रवि शास्त्री ने 1984 में 3 शतक और सचिन तेंदुलकर ने 1992 में 3 शतक लगाये थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक बनाने वाले आखिरी भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 110 थे जिन्होंने 2014-15 में सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) पर शतक बनाया था। इस शतक के साथ उन्होंने एक और रिकॉर्ड बनाया। इस बल्लेबजा ने सचिन तेंदुलकर 8, रवि शास्त्री 5, सुनील गावस्कर 4 और विनोद कांबली 4 के बाद भारत के लिए सबसे अधिक टेस्ट शतक बनाये हैं। वहीं गत दिवस ही यशस्वी ने न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम के 10 साल पुराने रिकॉर्ड को पछाड़कर एक कैलेंडर वर्ष में टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया।

नीदरलैंड की टीम पहली बार डेविस कप फाइनल में पहुंची

- सेमीफाइनल में जर्मनी को हराया

एजेंसी

एम्स्टडर्म । नीदरलैंड की टीम ने जर्मनी को 2-0 से हराकर पहली बार डेविस कप टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया है। डच टीम के बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर नीदरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलायी।

विश्व के 80वें नंबर के खिलाड़ी बोटिक को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच अंक चाहिये थे। वहीं

ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। जीत के बाद ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें अपने पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है। वहीं नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत उत्साहित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है पर यह एक टीम प्रयास है।

उन्होंने कहा कि जीत के लिए हमें अपने पर भरोसा करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। अब खिताबी मुकाबले में नीदरलैंड की टक्कर गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगी।

हर्षित ने अपनी सफलता का श्रेय कोहली और बुमराह को दिया

एजेंसी

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदजाज हर्षित राणा ने पहले ही टेस्ट में अपनी सफलता का श्रेय अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को दिया है। हर्षित ने कहा कि इन खिलाड़ियों से मिली सलाह लेने से उन्हें काफी सहायता मिली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में राणा ने अपने 16 ओवर के स्पैल में 3.10 की इकॉनमी रेट से तीन विकेट लिए थे। इस खिलाड़ी ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट ट्रैविस हेड का लिया। हेड 11 रन पर आउट हुए। इसके बाद मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर ही समेट दिया। इस युवा

गेंदबाज ने कहा कि कोहली और बुमराह से मिली सलाह से मुझे एक खास तरह का आत्म-विश्वास मिला। उन्होंने कहा कि इनकी सलाह लेने से मुझे काफी लाभ हुआ। कहां गेंदबाजी करनी है इसके लेकर इनकी सलाह और भरोसे से मेरा मनोबल बढ़ा। हमने एक टीम के रूप में इस बारे में बात की थी कि बल्लेबाज को कैसे तैयार करना है और आउट करना है। हमारा विचार स्टंप्स पर हमला करने का था। मैंने एक अच्छी गेंद डाली और सफलता हासिल की। साथ ही कहा कि बुमराह एक छोर से दबाव बनाते हैं जिसका लाभ अन्य गेंदबाजों को भी मिलता है। उन्होंने कहा कि उनके स्पैल ने मेरे लिए चीजें आसान कर दीं। । वहीं अपने पदार्पण को लेकर कहा कि कोच गंभीर ने शुरआत से कहा था कि धैर्य बनाए रखो और जब भी मौका मिले अच्छा प्रदर्शन करो। वह हमेशा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। वह मुझसे कह रहे थे कि सब कुछ एक तरफ रखकर सोचो कि तुम पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हो।

वेंकटेश अय्यर पर केकेआर ने लगाई बड़ी बोली, अश्विन की सीएसके में वापसी

एजेंसी

जेद्दाह। भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में जमकर पैसों की बारिश हुई है। उन्हें गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 23.75 करोड़ रुपये की बड़ी रकम में खरीदा है। सऊदी अरब के जेद्दाह में आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी चल रही है। सभी 10 फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगा रही हैं। नीलामी प्रक्रिया दो दिनों रविवार और सोमवार को चलेगी। नीलामी में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर की किस्मत चमकी है। उनका नीलामी में आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। उन्हें केकेआर ने 23.75 करोड़ में अपने साथ जोड़ा। वेंकटेश को खरीदने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी रुचि दिखाई। केकेआर का साथ वेंकटेश अय्यर से वर्ष 2021 से है। इसी फ्रेंचाइजी के साथ उन्होंने डेब्यू किया था। इस साल नीलामी से पहले टीम वेंकटेश को रिटेन नहीं कर सकी थी। अब ऑक्शन में केकेआर ने अय्यर को जाने नहीं दिया और बड़ी बोली रकम में अपने साथ जोड़ लिया।

आईपीएल नीलामी 2025

अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में वापसी हुई है। उन्हें सीएसके ने 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा है। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था। रविचंद्रन अश्विन ने साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए अपना डेब्यू किया था। वह टीम के साथ 2015 तक रहे। अब उनकी इस टीम में 9 साल के बाद फिर से वापसी हुई है। अश्विन के लिए मेगा नीलामी में

पहली बोली सीएसके ने ही लगाई। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स ने भी रुची दिखाई। अंत में सीएसके ने बाजी मारते हुए उन्हें खरीद लिया।

अब तक बिके खिलाड़ियों के नाम

अर्शदीप सिंह- 18 करोड़ रुपये, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); कगिसो रबाडा - 10.75 करोड़ रुपये, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); श्रेयस अय्यर - 26.75 करोड़ रुपये, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); जोस बटलर- 15.75 करोड़ रुपये, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); मिचेल स्टार्क -11.75 करोड़ रुपये, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); ऋषभ पंत- 27 करोड़ रुपये, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); मोहम्मद शमी- 10 करोड़ रुपये, सनराइजर्स हैदराबाद (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); डेविड मिलर- 7.5 करोड़ रुपये, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 1.5 करोड़ रुपये); युजवेंद्र चहल - 18 करोड़ रुपये, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); मोहम्मद सिराज- 12.25 करोड़ रुपये, गुजरात टाइटन्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); लियाम लिविंगस्टोन- 8.75 करोड़ रुपये, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); केएल राहुल- 14 करोड़ रुपये, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); हैरी ब्रूक- 6.25 करोड़ रुपये, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); एडेन मार्करम- 2 करोड़ रुपये, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); डेवोन कॉन्वे- 6.25 करोड़ रुपये, चेन्नई सुपर किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); राहुल त्रिपाठी- 3.40 करोड़ रुपये, चेन्नई सुपर किंग्स (बेस प्राइस- 75 लाख); जेक फ्रेजर-मैकगर्क- 9 करोड़ रुपये, दिल्ली कैपिटल्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); हर्षल पटेल- 8 करोड़ रुपये, सनराइजर्स हैदराबाद (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); रचिन रवींद्र- 4 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स (बेस प्राइस- 1.5 करोड़ रुपये); रविचंद्रन अश्विन- 9.75 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); वेंकटेश अय्यर- 23.75 करोड़ रुपये, कोलकाता नाइट राइडर्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); मार्कस स्टॉयनिस- 11 करोड़ रुपये, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); मिचेल मार्श- 3.40 करोड़ रुपये, लखनऊ सुपर जायंट्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये); ग्लेन मैक्सवेल- 4.20 करोड़ रुपये, पंजाब किंग्स (बेस प्राइस- 2 करोड़ रुपये)।

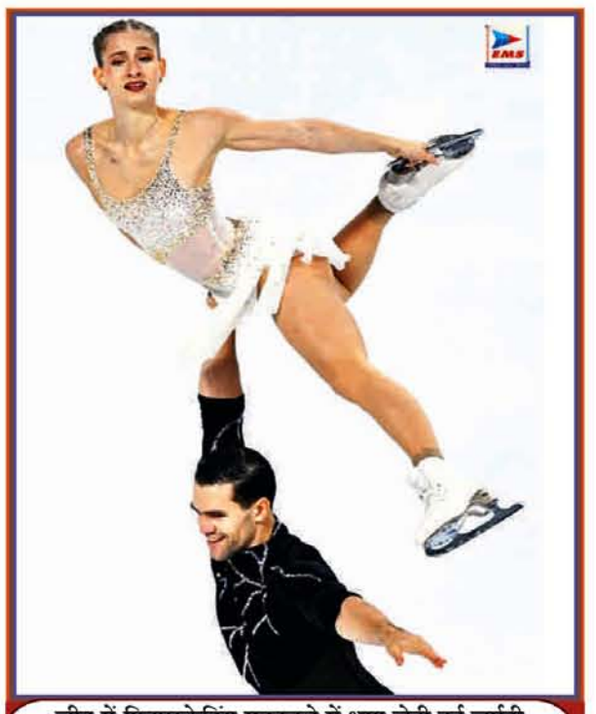

चीन में फिगरस्केटिंग मुकाबले में भाग लेती हुई जर्मनी की मिनरवा फैबियाने और निकिता वोलोडिन की जोड़ी।

दूर देश से आ गए हैं खास मेहमान

दोस्तों, इस मौसम में तुम्हारे शहर की झीलों, नदियों, पक्षी अभयारण्य और चिड़ियाघरों को प्रवासी पक्षी अपना बसेरा बना लेते हैं और ये वसंत पंचमी यानी फरवरी-मार्च तक यहां से वापस अपने देश या फिर इससे आगे चले जाते हैं। पर तुम कितना जानते हो इनके प्रवास यानी माइग्रेशन के बारे में? जितना ही इन्हें समझोगे, हैरान रह जाओगे तुम...चलो आज बात करते हैं इनके माइग्रेशन की।

क्या होता है माइग्रेशन

यह लैटिन शब्द 'माइग्रेटस' से आया है, जिसका मतलब होता है बदलाव। इसलिए पक्षियों के द्वारा किसी विशेष मौसम में भौगोलिक बदलाव को माइग्रेशन नाम दिया गया है। हिंदी में इसे प्रवास कहा जाता है। प्रवास का अर्थ है, यात्रा पर जाना या दूसरे स्थान पर जाना। लेकिन उनका यह प्रवास केवल अपने देश में सीमित नहीं होता, बल्कि दूर-दूर के देशों तक होता है, जहां भी इन्हें अपने अनुकूल मौसम और भोजन मिल जाए। कई पक्षी तो ऐसे हैं, जो कई माह का सफर तय कर दूसरे देश पहुंचते हैं।

कहां से आते हैं ये पक्षी

ऐसा नहीं कि दूसरे देश के पक्षी ही भारत आते हैं, बल्कि भारत के पक्षी भी दूसरे देश जाते हैं। भारत के पक्षी लगभग 10,000 किलोमीटर का सफर तय करके रूस के निकट साइबेरिया पहुंचते हैं और इसी प्रकार उस देश के पक्षी भारत में आते हैं।

जो पक्षी भारत में आकर सर्दियां गुजारते हैं, वे उत्तरी एशिया, रूस, कजाकिस्तान तथा पूर्वी साइबेरिया से यहां आते हैं। 2,000 से 5,000 किलोमीटर की दूरी तो ये आसानी से उड़कर पार कर लेते हैं, यद्यपि इसमें इन्हें काफी समय लगता है। फिर भी यह बहुत आश्चर्यजनक है कि समुद्री और दुर्गम रेगिस्तानी प्रदेशों को ये कैसे पार कर लेते हैं, क्योंकि इन कठिन स्थानों को वायुयान से पार करने में मनुष्य भी हिचकिचाते हैं, फिर ये पक्षी तो आकार में बहुत बड़े भी नहीं होते। इनमें गेहवाला जैसी छोटी चिड़िया और छोटे-छोटे परिंदे भी सम्मिलित हैं। भारत का सुप्रसिद्ध पक्षी राजहंस भारत में सर्दियां गुजारता है और तिब्बत जाकर मानसरोवर झील के किनारे अंडा देता है। पक्षियों का यह विचित्र स्वभाव देखकर पक्षी विज्ञान के विशेषज्ञ भी आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

भारत की मेजबानी

गर्मी हो या ठंड भारत प्रवासी पक्षियों की मेजबानी में हमेशा आगे रहता है, चाहे वह भोजन हो या आवास की जरूरत। किंगफिशर, रोजी, पेलिकन, वुड सैंडपाइपर, स्टार्लिंग ब्लूथ्रोट आदि कुछ ऐसी प्रवासी पक्षी हैं, जो अनुकूल हवा देखकर स्थान बदलते हैं। यदि वे एक बार माइग्रेशन शुरू कर देते हैं तो केवल खराब मौसम ही उन्हें ऐसा करने से रोक सकता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेट फ्लेमिंगो, रफ जैसे काफी पक्षी माइग्रेटिंग के दौरान काफी ऊंची उड़ान भरते हैं। ये तभी प्रवास पर जाते हैं, जब इन्हें लगता है कि इनके पास इतना फैट है, जो इनकी यात्रा के दौरान साथ देगा।

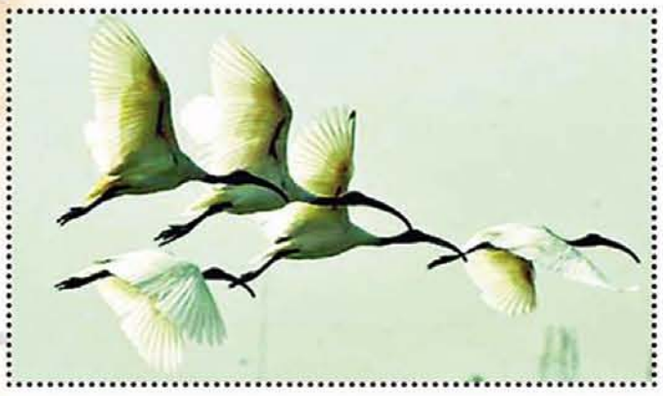

झुंड बनाकर करते हैं 'माइग्रेशन'

पक्षियों में एक हैरत में डालने वाली बात ये है कि जब ये सभी प्रवास के लिए निकलते हैं तो अकेले नहीं, बल्कि हजारों की संख्या में दल बनाकर जाते हैं।

ठंड में भारत आने वाले पक्षी

साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ट स्टिल्ट, कॉमन टील, कॉमन ग्रीनशैंक, नॉर्दर्न पिनटेल, रोजी पेलिकन, गडवाल, वूड सैंडपाइपर, स्पॉटेड सैंडपाइपर, यूरेसियन विजन, ब्लैक टेल्ड गॉडविट, स्पॉटेड रेडशैंक, स्टार्लिंग, ब्लूथ्रोट, लांग बिल्ड पिपिट।

क्यों आते हैं हमारे देश

शीत ऋतु यानी जाड़े में इन प्रवासी पक्षियों के यहां बर्फ जम जाती है और ऐसी कंपकंपाने वाली ठंड के कारण इन पक्षियों का आहार बनने वाले जीव या तो मर जाते हैं या जमीन में दुबक कर शीत-निद्रा में चले जाते हैं, जिससे वे सर्दियों के समाप्त होने के बाद ही जागते हैं। ऐसी स्थिति में इन पक्षियों के लिए आहार ढूंढना और जिंदा रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए वे भारत जैसे गर्म देशों में चले आते हैं, जहां बर्फ नहीं जमती और उन्हें आहार भी अच्छे से मिल जाता है।

प्रवासी पक्षियों को पहचानने की कोशिश

अनेक संस्थाएं हैं, जो इन प्रवासी पक्षियों को मेटल के रिंग पहना देती हैं और अपने देश में मिलने वाली पक्षियों की सूचना संबंधित देशों को भेजती हैं। इससे यह बात बहुत आसानी से जान ली जाती है कि कौन से पक्षी किस देश के हैं, तथा वे किस-किस देश में प्रवास के लिए जाते हैं।

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे दो दिन का कार्यक्रम है, जो मई के दूसरे वीकएंड पर सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का असल मकसद है लोगों के बीच इन प्रवासी पक्षियों व उनके आवास के लिए सुरक्षा की भावना लाना। यूनाइटेड नेशन एक ऐसा संगठन है, जो इस ग्लोबल अवेयरनेस कैंपेन का समर्थन करता है। इस दिन पूरी दुनिया में लोग पब्लिक ईवेंट्स जैसे- बर्ड फेस्टिवल, एजुकेशन प्रोग्राम या पक्षियों पर आधारित और भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

माइग्रेशन के दौरान चुनौतियां

हालांकि माइग्रेशन को आसान बनाने के लिए ये पक्षी अपने शरीर को अनुकूलित कर लेते हैं, पर फिर भी इन्हें अपने इस सफर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

- पर्याप्त भोजन न मिलना और भुखमरी
- हवा में उड़ते हुए ऊंची बिल्डिंग या हवाई जहाज से टक्कर
- प्रदूषण या चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से ठहराव या निवास स्थान के विनाश से
- खराब मौसम और तूफान भी इन्हें घायल कर देते हैं या राह से भटका देते हैं

माइग्रेशन खतरनाक है, पर ढेर सारे पक्षियों के लिए आवश्यक भी। हर वर्ष होने वाले इस माइग्रेशन या प्रवास के बाद पक्षी अपने देश को खुशहाली के साथ लौटते हैं।

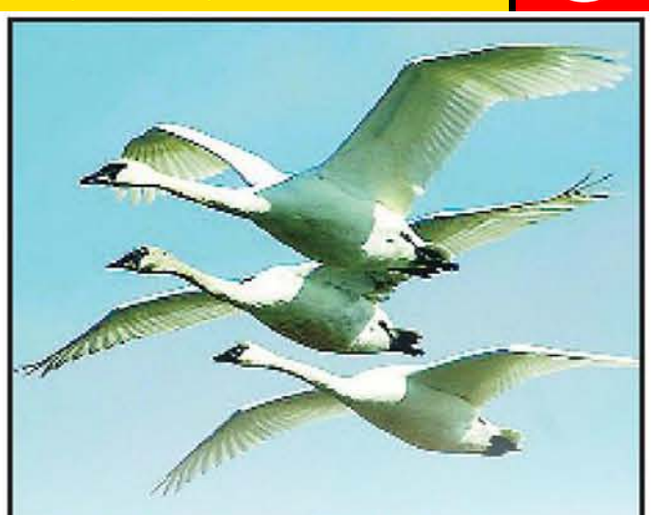

दिल्ली में कहां आए कितने मेहमान

- नजफगढ़ में इस साल 16 प्रजाति के प्रवासी पक्षियों ने अपना घर बनाया है। अब तक 5000 से ज्यादा चिड़ियों को यहां देखा गया है, जो दूर देश से आई हैं। दिल्ली में प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगने का दूसरा प्रसिद्ध स्थान है ओखला अभयारण्य। इस वर्ष अब तक वहां करीब 7000 प्रवासी पक्षी पहुंच चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि अभी और पक्षी आएंगे। वहीं दिल्ली के चिड़ियाघर में भी पक्षियों ने आना शुरू कर दिया है।
- दूर देशों से शीत ऋतु में भारत आने वाले इन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा इन प्रमुख स्थानों पर जरूर लगता है और वह भी बहुतायत की संख्या में।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, नई दिल्ली

- यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्डस, टफ्टेड पोचार्डस, यूरेसियन विजन, पिनटेल्स और कूट्स जैसे पक्षी, जो साइबेरिया व सेंट्रल एशिया से आते हैं, मुख्य रूप से जनवरी माह में देखे जाते हैं।

भरतपुर बर्ड सैंचुरी, राजस्थान

- ग्रीन लेग्ड गूज, चीनी कूट, पोचार्डस, टील, मालार्ड को यहां आसानी से देखा जा सकता है। ये अक्टूबर मध्य से आना शुरू करते हैं और फरवरी तक यहां देखे जा सकते हैं।

कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

- यहां प्रवासी पक्षियों में मोर, गिद्ध, जंगली मुर्गे और अलग प्रजाति के तोते देखे जा सकते हैं।

सुल्तानपुर बर्ड सैंचुरी, हरियाणा

- शीत ऋतु में यहां प्रवासी पक्षियों के आने से बडम ही मनमोहक दृश्य बन जाता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, टील और ग्रीन शैंक आदि मेहमान पक्षियों को यहां देखा जा सकता है।

सूरजपुर बर्ड सैंचुरी, ग्रेटर नोएडा

- यहां देश के विभिन्न हिस्से से तो पक्षियों का आना होता ही है, पर सर्वे से पता चला है कि करीब 40 विभिन्न प्रजाति के प्रवासी पक्षियों को यहां देखा गया है।

दिल्ली चिड़ियाघर, नई दिल्ली

- सारस, जंगली बत्तख व शोवेलर्स को फरवरी तक यहां देखा जा सकता है।

हौज खास विलेज झील, नई दिल्ली

- हर वर्ष शीत ऋतु में हौज खास विलेज की झील में खूबसूरत व रंगीन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगता है।

कोल्लेरु झील बर्ड सैंचुरी, आंध्र प्रदेश

- काफी सारे प्रवासी पक्षी, जैसे साइबेरियन क्रेन, इबिस और रंगीन सारस आदि यहां जाड़े के मौसम में आते हैं।

पोंग डैम झील, हिमाचल प्रदेश

- इसे महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है। यहां प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है जो काफी मनोरम दृश्य पैदा करता है।

रंगनथिट्टू बर्ड सैंचुरी कर्नाटक

- यहां हर वर्ष दिसंबर के महीने में 20 देशों से भी ज्यादा प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है।

चिल्का झील, उड़ीसा

- एशिया की सबसे बड़ी नमकीन पानी की झील है ये। शीत ऋतु में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

पुलीकट झील, तमिलनाडु

- यहां 60 से ज्यादा प्रजाति के पक्षियों का आवास है। इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी पक्षी होते हैं।

ये भी जानो

- पक्षियों का माइग्रेशन काफी सारे फैक्टर पर निर्भर करता है, जैसे पक्षियों की प्रजाति, माइग्रेशन की दूरी, यात्रा की गति, रास्ता, जलवायु आदि।
- माइग्रेशन से पहले ये पक्षी 'हाइपरफैगिया' फेज में चले जाते हैं, जहां हार्मोन लेवल में बदलाव होता है और इनका शारीरिक वजन जबर्दस्त बढ़ता है, जिससे इनके शरीर में फैट जमा होता है। माइग्रेशन के दौरान उड़ने के लिए ये अपने शरीर में जमा इस फैट से ही एनर्जी लेते हैं।
- तुम्हें जानकर अचरज होगा कि माइग्रेशन के लिए एक ओर का रास्ता तय करने में एक चिड़िया को कुछ हफ्तों से लेकर चार महीने तक लग जाते हैं। यह माइग्रेशन का सफर- कुल दूरी, उड़ने की गति, रास्ता और ठहराव आदि पर निर्भर करता है।
- काफी सारे ऐसे पक्षी होते हैं, जो दिन के वक्त ही उड़ते हैं, पर इनमें से कुछ ऐसे भी हैं, जो रात को उड़कर अपने माइग्रेशन की दूरी तय करते हैं।
- ये प्रवासी पक्षी तारों, सूर्य, हवा के बहने के तरीके और जमीन के प्राकृतिक बनाव से रास्ते को पहचानते हैं, जो उनके नैविगेशन में मददगार साबित होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र भी माइग्रेशन में मददगार है।

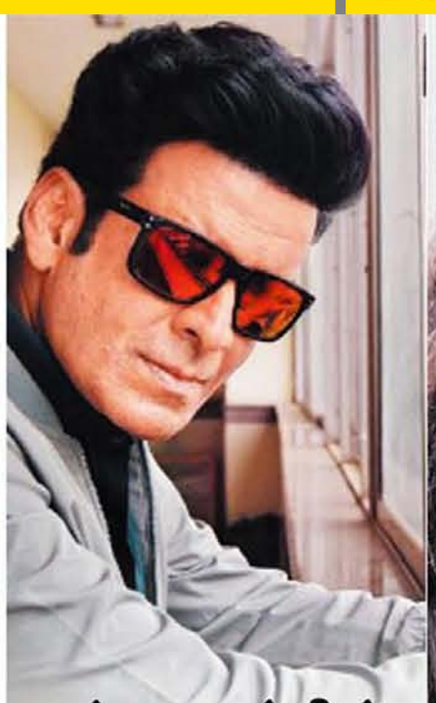

मनोज बाजपेयी ने बताया डिस्पैच की शूटिंग के दौरान क्या थी चुनौती

गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 की शुरुआत हुई, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए। अभिनेता ने अभिनय और फिल्म उद्योग के वर्तमान मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, उनकी आगामी फिल्म डिस्पैच का प्रीमियर भी इस महोत्सव में हुआ। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने उन क्षेत्रों के बारे में बताया, जिन्हें वह बतौर अभिनेता तलाशना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग के दौरान घायल होने का भी जिक्र किया।

शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी का घुटना हो गया था चोटिल

एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा, यह फिल्म एक पत्रकार की अंदरूनी और बाहरी दोनों दुनिया की खोज करती है। इन दोनों दुनियाओं में नेविगेट करने की कोशिश में, मेरे पैर कभी-कभी इधर-उधर हो जाते थे और इन सब में, मेरा घुटना घायल हो गया। यह अभी भी ठीक हो रहा है। बताते चलें कि फिल्म में मनोज बाजपेयी एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जो एक बड़े वित्तीय घोटाले को उजागर करने के लिए घंटों काम कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी को बताया अनोखी

अभिनेता ने आगे कहा, यह एक बहुत ही अनोखी और वास्तविक स्क्रिप्ट थी। यह फिल्म एक अभिनेता के रूप में मेरे विकास के लिए काफी मददगार रही। डिस्पैच का निर्देशन कनु बहल ने किया है। इसके अलावा उन्होंने इसे इशानी बनर्जी के साथ मिलकर लिखा भी है। इसे आरएसवीपी मूवीज के बैनर तले रोनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में शाहाना गोसेमी और अर्चिता अग्रवाल भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को बनाने के दौरान आने वाली चुनौती पर बाजपेयी ने कहा, जिस तरह से उन्होंने और इशानी ने स्क्रिप्ट लिखी थी, उसमें कोई भी लोकेशन दोहराई नहीं जा रही थी। यह एक अलग तरह की प्रोडक्शन चुनौती थी। हम सभी कोविड की डेल्टा लहर के दौरान संक्रमित हो गए थे, फिर हम शूटिंग शुरू करने के लिए वापस आ गए।

हाल में ही रिलीज हुआ है डिस्पैच का टीजर

डिस्पैच का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसकी शुरुआत जॉय (मनोज बाजपेयी) के फ्लैट में खिड़की के शीशे टूटने से होती है। वह एक कोने में भागता है, तभी उसे पता चलता है कि उसकी खिड़कियों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जा रहे हैं। कुछ क्षण बाद, एक निजी नंबर से कॉल आती है, जिसमें उसे जांच बंद करने का निर्देश दिया जाता है। धमकी से विचलित हुए बिना, जॉय सच्चाई और सही कहानी की तलाश में दृढ़ रहता है।

मुझे स्ट्रॉन्ग रोल्स निभाने में काफी मजा आता है

अनीता हसनंदानी ने हाल ही में अपने शो सुमन इंदौरी में अपने किरदार देविका के बारे में बात की। उन्होंने मां बनने के बाद काम पर लौटने और मॉम गिल्ट के बारे में भी अपनी राय शेयर की....

डेली सोप पर वापसी करना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा

आरव को घर छोड़ना मेरे लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल रहा है, लेकिन धीरे-धीरे इसके साथ एडजस्ट कर रही हूं। काम पर लौटने की खुशी है, क्योंकि मुझे शूटिंग बहुत पसंद है और इसे काफी मिस कर रही थी। पर उसी खुशी के साथ मॉम गिल्ट भी है। मुझे लगता है कि पैरेंट्स के तौर पर हमें अपनी जरूरतों और पैशन का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हम अपनी लाइफ को बैलेंस कर सकें। रोहित भी मेरे काम के दौरान आरव के साथ पूरा समय बिताने की कोशिश करते हैं, ताकि उसे हमारी कमी महसूस न हो।

कई नई मदर्स को मॉम गिल्ट महसूस होता है, आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा

में हमेशा से एक करियर बुमन रही हूं. 16 साल की उम्र से काम कर रही हूं लेकिन अब जब आरव आया है, तो अक्सर दिमाग में कन्फ्लिक्ट्स होते हैं। कई बार लगता है बस सब कुछ छोड़कर सिर्फ आरव के साथ रहूं और कभी लगता है कि मैं क्या कर रही हूं। इसलिए में बस फ्लो के साथ चलती हूं। मेरे लिए इंडस्ट्री में अच्छा ये है कि मेरे पास ये ऑप्शन है कि मैं काम को चुन सकती हूं। सो, में सोच-समझकर डिसाइड करती हूं।। लेकिन हां, मॉम गिल्ट सच में होता है।

अपने किरदार को निभाते हुए कितना एन्जॉय कर रही हैं

बहुत ही एक्साइटिंग और मसालेदार अनुभव है। देविका के किरदार में करने के लिए बहुत कुछ है, इतना कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि किसी किरदार के लिए में खुद क्रिएटर को फोन करके कहेंगी इतने लेयर्स हैं कि में कन्फ्यूज हो रही हूं। इस किरदार में बहुत गहराई है, बहुत कुछ करने का मौका मिल रहा है। एक एक्टर के तौर पर में इसे पूरी तरह एन्जॉय कर रही हूं। इस किरदार के लिए मैंने इंदौर की महिलाओं को दिनचर्या और भावनाओं को गहराई से समझा। खासकर बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं का प्यार और रुतबा, जो मां की आंखों में छिपी बातों और इशारों से समझा जा सकता है।

शुरुआत में आप और आपकी टीम ने इंदौर में शूटिंग की। वहां का अनुभव कैसा रहा

इंदौर में शूटिंग करना एक बेहद शानदार अनुभव था। शहर को एनर्जी कमाल की है, और मजा इस बात का था कि शो में इसे कैप्चर करने का मौका मिला। हम लोग वहां की लीकल संस्कृति में पूरी तरह घुल-मिल गए, छप्पन दुकान और सराफा बाजार में जाकर बहुत ही मजेदार स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाया। कुछ सीन हमने एक लोकल स्कूल में शूट किए और उस माहौल ने हमारे अपने स्कूल के दिनों की यादें ताजा कर दी। इंदौर के लोगों की गर्मजोशी और शहर का चार्म शूटिंग का एक खास अनुभव बना गया।

टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है

विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर देवांगना चौहान, जो ड्राइव विद नैनो (सीजन 3) जैसे शो का हिस्सा रही हैं, जिसकी विजेता हैं, और धड़कन जिंदगी की, सपनों की छलांग, और सावी की सवारी, जैसे कुछ शो का नाम लें, ने कहा, मुझे लगता है कि टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे वह समय याद है जब सास-बहू ड्रामा और समाज पर इसके प्रभाव का खुलासा हुआ था। उन्होंने बताया कि जब वह छोटी थीं, तो जब वे दुकानों पर जाती थीं, तो वे सामान बेचते थे, और कहती थीं कि यह दीया और बाती हम या तुलसी सारे जैसा ही था। उन्होंने कहा, अब चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन लोग टीवी और टीवी शो से बहुत प्रभावित हुए हैं, चाहे वह लुक हो, किरदार हो या जश्न हो। उन्होंने बताया कि टेलीविजन बहुत ही भरोसेमंद है और उनका मानना है कि लोग स्क्रीन पर दिखने वाले किरदारों से प्रभावित होने लगते हैं।

उन्होंने कहा, हर व्यक्ति जो टेलीविजन देख रहा है, वह धीरे-धीरे खुद में किरदार देखना शुरू कर देता है और घर में बैठकर किरदार और दर्शक जुड़ने लगते हैं। यह सिर्फ धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में भी है जो हमें देखने को मिलते हैं। टेलीविजन अधिक यथार्थवादी हो गया है, और यहां तक कि दर्शक भी अधिक यथार्थवादी हो गए हैं। टीवी अभी मुक्ति के चरण में है। मुझे नहीं लगता कि ओटीटी की तुलना टीवी से करने की जरूरत है, क्योंकि दोनों का अपना आकर्षण है। 90 के दशक की बच्ची देवांगना दूरदर्शन पर सुरभि और चित्रहार देखकर बड़ी हुई हैं।

रूल ब्रेकर्स में फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करेंगे अली फजल

ली फजल बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड में भी अ एक्टिव हैं। उन्हें वहां की बड़ी फिल्म फ्रेंचाइज में काम मिलता रहा है। अली ने हाल ही में आगामी फिल्म रूल ब्रेकर्स में एक्ट्रेस फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करने की घोषणा की। एंजेल स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट अली के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और मील का पत्थर है। दो बार के ऑस्कर विजेता बिल मुटेंटैग द्वारा निर्देशित रूल बेकर्स अफगानिस्तान में लचीलेपन और अवज्ञा के विषयों की पड़ताल करती है। इस फिल्म में अली की भागीदारी एक एक्टर के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न शैलियों में विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। अली ने कहा... मैं रूल ब्रेकर्स का हिस्सा बनकर और फीबी वालर ब्रिज जैसी प्रतिभाशाली एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन शेयर करके रोमांचित है। यह प्रोजेक्ट मेरे साथ गहराई से जुड़ता है और मेरा मानना है कि ऐसी कहानियां बताना महत्वपूर्ण है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में व्यक्तियों की ताकत और लचीलेपन को उजागर करती हैं। में इस कथा को जीवंत करने और विश्व स्तर पर दर्शकों तक पहुंचने के लिए उत्सुक हूं। फीबी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए अली ने आगे कहा... में एक फिल्म का सपोर्ट करने में सक्षम होने के लिए इतना रोमांचित हूं कि यही कहूंगा कि हर माता-पिता को अपनी बेटी को सिनेमाघरों में ऐसी फिल्म देखने के लिए ले जाना चाहिए और कहानी इतनी प्रेरणादायक होने के कारण यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि फीबी ने भी इसमें कदम रखा। बेशक वह टैलेंट का पावरहाउस है इसलिए मुझे यकीन है कि उनके जुड़ने से फिल्म नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। हम लड़कियों के लिए अफगानी रोबोटिक्स टीम के साथ रोया महबूब की लाइफ और उनको जनीं के विभिन्न फेज में अहम भूमिका निभाते हैं।

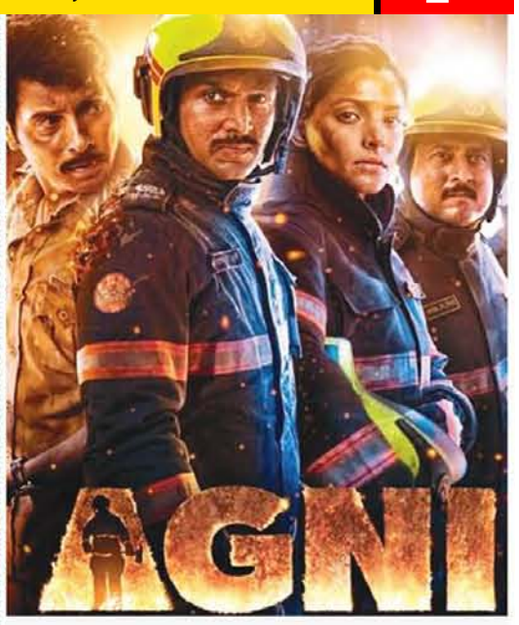

अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि देती है प्रतीक गांधी, दिव्येंदु की फिल्म अग्नि

राहुल ढोलकिया की आगामी फिल्म अग्नि का ट्रेलर 21 नवंबर को जारी किया गया। यह फिल्म अग्निशमन कर्मियों की बहादुरी और बलिदान का जश्न मनाएगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सैयामी खेर, साई ताम्हणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह भी इसमें सहायक भूमिका में हैं। दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में विट्ठल (प्रतीक गांधी) और उसके बहनोई समित (दिव्येन्दु), जो एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, शहर में लगी आग के पीछे के रहस्य को उजागर करने के लिए एक साथ मिलकर काम करते हैं। जैसे-जैसे वे अपने मतभेदों और समय के खिलाफ दौड़ से जूझते हैं, उन्हें मामले को सुलझाने और मुंबई को आसन्न आपदा से बचाने के लिए व्यक्तिगत संघर्षों को सुलझाना होगा।

निर्देशक राहुल ढोलकिया ने कहा, अग्नि के साथ, मैं एक ऐसी कहानी लाने के लिए रोमांचित हूं जो अग्निशामकों की बहादुरी का जश्न मनाती है और उनकी भावनात्मक यात्राओं की खोज करती है। अग्निशामक असल जिंदगी के नायक हैं, जो अनगिनत जोखिमों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह फिल्म उनके बलिदान, निष्ठा और लचीलेपन को श्रद्धांजलि है। अभिनेता प्रतीक गांधी ने इस परियोजना को परिवर्तनकारी बताया और कहा, अग्नि सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है; यह अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि है - हमारे समाज के गुमनाम नायक। उनकी चुनौतियों को समझना सम्मान की बात है, और मैं दर्शकों को मानवीय लचीलेपन की इस कहानी का अनुभव कराने के लिए उत्सुक हूँ। सह-कलाकार दिव्येंदु ने इस भूमिका को अपने करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। अग्निशमन कर्मियों की गहन दुनिया में डूबे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना बहुत सार्थक था। अग्नि ने मुझे अपने शिल्प की कच्ची और भावनात्मक गहराई का पता लगाने में सक्षम बनाया, और मुझे विश्वास है कि यह दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा, द रेलवे मेन अभिनेता ने कहा। फिल्म का प्रीमियर 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर होगा।

साउथ सिनेमा में विलेन के रोल में नजर आए ये बॉलीवुड स्टार्स, बॉबी से लेकर संजय का नाम शामिल

बॉलीवुड के कई सितारे हैं, जिन्होंने साउथ की फिल्मों में खलनायक की भूमिका में खूब नाम कमाया है। इन दिनों बॉबी देओल अपनी फिल्म कंगुवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बॉबी के अलावा सैफ अली खान और संजय दत्त ने भी साउथ की फिल्मों में खूंखार विलेन के किरदार निभाएं हैं। आइए जानते हैं किस बॉलीवुड अभिनेता ने कौन सी फिल्म में कैसा किरदार निभाया है।

बॉबी देओल-कंगुवा

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी साउथ फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कंगुवा से पहले बॉबी फिल्म एनिमल में अबरार की भूमिका से खूब चर्चा बटोर चुके हैं। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म एनिमल में बॉबी का किरदार भले ही खूंखार विलेन अबरार का था, लेकिन उनका अभिनय हर किसी को बेहद पसंद आया। अब वहीं बॉबी साउथ फिल्म कंगुवा में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में बॉबी को विलेन के किरदार में देखने के लिए दर्शकों काफी उत्साहित हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है और इसमें बॉबी का भयानक लुक भी सामने आ चुका है। कंगुवा को इस साल की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म माना जा रहा है।

सैफ अली खान-देवरा

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान लगातार कई फिल्मों से प्रशंसकों का दिल जीतते आए हैं। लेकिन क्या आपको पता है सैफ को खलनायक की भूमिका में प्रशंसकों ने भरपूर दिया। यहां बात कर करे हैं फिल्म देवरा पार्ट 1 की। सैफ ने साउथ की फिल्म देवरा पार्ट 1 में खलनायक की भूमिका निभाई, जिसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सैफ ने देवरा में विलेन भैरा का किरदार निभाया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। सैफ के अलावा फिल्म में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर को जोड़ी नजर आई थी।

संजय दत्त- केजीएफ चैप्टर 2

केजीएफ चैप्टर 2 साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक रही है। इसका पहले पार्ट केजीएफ को भी काफी सफलता मिली थी। एक 2022 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन फिल्म को प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया था। फिल्म को विजय किरागांदुर ने अपने होम्बले फिल्म्स बैनर के तहत इसका निर्माण किया है। केजीएफ चैप्टर 1 से ज्यादा सफलता केजीएफ चैप्टर 2 को मिली। इस फिल्म के दूसरे पार्ट में साउथ अभिनेता यश ने जमकर प्रसिद्धी हासिल की। केजीएफ 2 में विलेन के रोल में संजय दत्त को भी खूब पसंद किया गया। फिल्म में संजय ने अधीरा नाम के खलनायक की भूमिका निभाई, जो हर किसी के दिल में घर कर गई।

अक्षय कुमार-फिल्म 2.0

2.0 फिल्म में रजनीकान्त, एमी जैक्सन, भीमा डगला और अक्षय कुमार मुख्य किरदार में नजर आए थे। इस साउथ फिल्म में अक्षय ने एक विलेन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अक्षय ने पंछी राजन की भूमिका निभाई, जो कि एक साइंस प्रोफेसर होता है, लेकिन उसके इरादे काफी खतरनाक होते हैं।

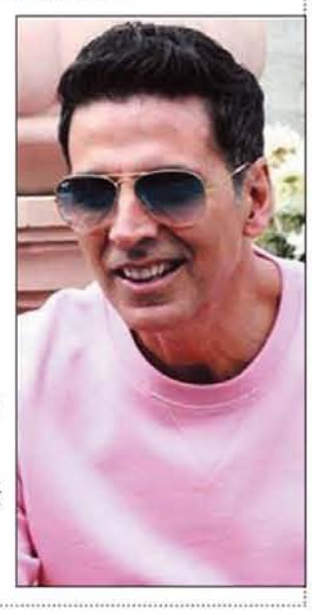

सांसद ने भाजपाईयों के साथ सुनी 'मन की बात'

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' का कार्यक्रम रजत विहार सी ब्लॉक मे संपन्न हुआ जिसमे नोएडा के सांसद डाक्टर महेश शर्मा उपस्थिति रहे है।

कार्यक्रम के उपरांत महासचिव गोपाल शर्मा ने रजत विहार में सामुदायिक भवन, योग शैड का निर्माण, सीवर की समस्या, पार्को की समस्या से संसद को अवगत कराया और उनको ज्ञापन सौंपा।कार्यक्रम के समापन में अध्यक्ष अमित नागपाल ने सभी का धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम मे आरडब्लूए के पधाधिकारी, ममता कांडपाल, दीप्ति अग्रवाल, विश्वाश, मुकेश अग्रवाल, उषा शर्मा, संजीव गर्ग, रमेश उपाध्याय कुसुम और वरिष्ठ नागरिकों ने सांसद का स्वागत किया।

सेक्टर-122 में 'मन की बात' सदस्यों ने सामूहिक रूप से सुना

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार सुबह 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया। अपने 116 वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा की आज का एपिसोड एनसीसी के महत्व एवं 12 जनवरी पर स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर युवाओं के टैलेंट एवं क्रिएटिविटी का उपयोग कर विकसित भारत की रोड मैप पर चर्चा की।

गुयाना में भारतीय मूल के नागरिकों के योगदान का भी जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति इरफान अली शामिल हैं, जो विदेशों में भारतीय संस्कृति को संरक्षित और प्रचारित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारत से हजारों किलोमीटर दूर गुयाना में भी एक 'मिनी इंडिया' मौजूद है। लगभग 180 साल पहले, भारत से लोगों को गुयाना ले जाया गया था ताकि वे खेतों में मजदूरी और अन्य कार्य कर सकें। आज, गुयाना में भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में गुयाना का नेतृत्व कर रहे हैं.गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली भी भारतीय मूल के हैं, जो अपनी भारतीय विरासत पर गर्व करते हैं। 'मन की बात' सुनने का आयोजन श्रीमती सुनीता शर्मा, मंडल महामंत्री के द्वारा किया गया था। इस मौके पर गणेश जाटव, जिला महामंत्री, पंकज झा, मंडल अध्यक्ष, मंडल उपाध्यक्ष श्री अरुण बैसोया, डॉ. उमेश शर्मा प्रेसिडेंट, आरडब्लूए, कोषाध्यक्ष ब्रह्मदत्त शर्मा, सपना वर्मा उपाध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष नूतन नयन सिंह, बूथ उपाध्यक्ष कृष्णा सिंह एवं अजित सिंह, अपर्णा अग्रवाल, रजनी गोयल, राजवाल यादव, अजय द्विवेदी, सतीश मिश्रा, सुमन पाल एवं अन्य सेक्टर के सदस्य उपस्थिति रहे।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश पर जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में, जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में आबकारी विभाग के द्वारा अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्णत: अंकुश लगाने के लिए चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान के दौरान आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग के दौरान दबिश देकर थाना सेक्टर-24 स्थित सेक्टर-22 F ब्लॉक सार्वजनिक शौचालय के पास से रामू पुत्र अजब सिंह को कटरीना देशी शराब ब्रांड के 40 पौवे धारिता 200एम एल देशी शराब उत्तर प्रदेश राज्य में बिक्री के लिए अनुमन्य का अवैध बिक्री करते हुए गिरफ्तार किया गया।

नोएडा में भारतीय जनता पार्टी के बूथ लेवल के चुनाव प्रारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी संगठन स्तर पर चुनावों की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिसमें सर्वप्रथम बूथ लेवल के चुनाव के अंतर्गत श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के मंत्री धर्मेंद्र नन्दा के निवास पर नोएडा सेक्टर-50 में, निर्वाचन अधिकारी नमिता शर्मा के नेतृत्व मे बूथ संख्या-222 से लेकर 228 तक के बूथ अध्यक्षों का चुनाव किया गया।

चुनाव में बूथ संख्या 224 की अध्यक्ष श्रीमती ईरा गुलाटी, बूथ संख्या 225 के श्याम नारायण, बूथ संख्या 226 के जंगी लाल कपूर, बूथ संख्या 227 की श्रीमति तान्या कपूर और बूथ संख्या 228 के बूथ अध्यक्ष अनिल साहनी को सर्वसम्मति से बूथ अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही सभी बूथ अध्यक्षों ने अपने बूथों की 12 सदस्यों की कमेटियों का भी गठन किया गया जिसमें कम से कम तीन महिला सदस्यों का होना जरूरी था, का गठन करके उसकी एक कॉपी निर्वाचन अधिकारी को दी गई।

नोएडा में सेक्टर-11 में श्रीमती सुदेश एवं कृष्ण शर्मा परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। कथा से पूर्व श्रद्धालुओं ने आज कलश यात्रा निकाली। फोटो : चेतना मंच

आरडब्ल्यूए 34 ने कैंप लगवाकर बुजुर्गों के बनवाए आयुष्मान कार्ड

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में रविवार को फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडबल्यूए सेक्टर-34 द्वारा आयुष्मान कैंप का आयोजन हुआ, जिसमें 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडबल्यूए सेक्टर-34 अध्यक्ष के के जैन एवं महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि 80 से अधिक बुजुर्गों ने आयुष्मान कार्ड बनवाए। बुजुर्गों में आयुष्मान कार्ड के प्रति काफी सक्रियता देखने को मिल रही हैं। कैंप में आयुष्मान कार्ड बनवाने पहुंच रहे बुजुर्गों ने कार्ड बनवाने के लिए अन्य साथियों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कैंप में आयुष्मान कार्ड के लाभ बताए गए और बुजुर्गों द्वारा आरडब्ल्यूए द्वारा लगाए गए कैंप के लिए पदाधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया।

डॉ. एच.आर. नागेंद्र और प्रो. अशोक चक्रधर को पंडित हरिदत्त शर्मा पुरस्कार

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रसिद्ध योग गुरु और विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (व्यासा) के अध्यक्ष डॉ. एच.आर.नागेंद्र और प्रसिद्ध व्यंग्यकार, कवि व लेखक प्रोफेसर (डॉ.) अशोक चक्रधर को 'पंडित हरिदत्त शर्मा पुरस्कार' प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, एक प्रतिष्ठित योग गुरु, एक प्रतिभाशाली इंजीनियर और योग प्रथाओं पर एक उत्कृष्ट शोधकर्ता डॉ. एच.आर.नागेंद्र ने स्वास्थ्य और मानवता का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए दुनिया को भारत के इस प्राचीन उपहार को बढ़ावा देने में मदद की है। उन्होंने इंजीनियरिंग में 30 शोध पत्र और योग की प्रभावकारिता, सिद्धांतों और तकनीकों पर 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। वह बेहतर स्वास्थ्य, सामाजिक सद्भाव और शांति के लिए उत्साहपूर्वक प्रतिबद्ध हैं।

प्रख्यात पत्रकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता पंडित हरिदत्त शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए उपराज्यपाल ने साहित्यकारों, कवियों, कलाकारों और नागरिक समाज के सदस्यों से पंडित हरिदत्त शर्मा को श्रद्धांजलि के रूप में 4 संकल्प लेने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा, पत्रकारिता, साहित्य, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित करने के लिए पंडित हरिदत्त शर्मा फाउंडेशन के प्रयास की भी सराहना की।

शारीरिक शिक्षक भारत को खेल महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण कड़ी : कुनाल

चिराग चिकारा को इमर्जिंग स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ़ द ईयर का अवार्ड

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुनाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को लगातार बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसका सकारात्मक असर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में दिख भी रहा है। भारत को खेल महाशक्ति बनाने में शारीरिक शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेल खिलाड़ी के बीच शारीरिक शिक्षक एक अहम कड़ी है।

संयुक्त सचिव खेल श्री कुनाल रविवार को फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफ़ी) के सातवें राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देश भर से आए शारीरिक शिक्षकों, खेल विशेषज्ञों और स्पोर्ट्स से जुड़े हुए लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया खेलो इंडिया सहित कई योजनाएं आज खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान कर रही है। खेल को लेकर जनमानस में भी सकारात्मक बदलाव आया है। बड़ी संख्या में खिलाड़ी पदक प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने शारीरिक शिक्षकों को बेहतर मंच प्रदान करने के लिए फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को बधाई भी दी।

इस अवसर पर संयुक्त सचिव श्री कुनाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार के मनरेगा के अंतर्गत खेल मैदान के निर्माण के ऊपर किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यक्रमों का भी अपने उद्बोधन में प्रमुखता से उल्लेख किया।

कार्यक्रम में वर्ल्ड कुश्ती चैंपियन चिराग चिकारा को इमर्जिंग स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों को उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सचिव डॉ पीयूष जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना है कि भारत दुनिया में अगला खेल महाशक्ति बने और जिस तरह से हर गुजरते दिन के साथ खेल इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, वह इस बदलाव का एक प्रमाण है। उन्होंने शारीरिक शिक्षकों की बेहतरीन पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इस दौरान पेफी के द्वारा स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर सफदरजंग अस्पताल और एमवे इंडिया के साथ मिलकर स्पोर्ट्स इंजरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com